बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 223 | मंगलवार 03 दिसंबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

कम से कम भागवत की ही सलाह का कर लें सम्मान

–आखिर क्यों दिया खडगे ने आरएसएस प्रमुख का हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा की टॉप लीडरशिप को विभाजनकारी रणनीति अपनाने वाली बता देशभर में मस्जिदों और दरगाहों के सर्वेक्षण कराने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने इस बीच कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 का विरोध कर रहे हैं और इसका विरोध करना जारी रखा जाएगा। उन्होंने भाजपा से संघ प्रमुख के 2022 के बयान का जिक्र करते हुए भाजपा के टॉप लीडर्स से उसे मानने की बात कही।

दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा के टॉप लीडर्स से मोहन भागवत के 2022 के उस बयान पर ध्यान देने को कहा, जिसमें आरएसएस प्रमुख ने कहा था कि हमारा उद्देश्य राम मंदिर का निर्माण करना था और हमें हर मस्जिद के नीचे शिवालय नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने पूजा स्थल अधिनियम 1991 का भी हवाला दिया, जिसे धार्मिक स्थलों की 1947 जैसी स्थिति बनाए रखने के लिए खासतौर पर बनाया गया था। खड़गे की यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मद्देनजर आई है। संभल की जामा मस्जिद में सर्वे

को लेकर हुई हिंसा के बाद पूरे देश में तनाव की स्थिति बनने लगी थी, जिसे लेकर विपक्ष एक बार फिर भाजपा लीडरशिप के खिलाफ लामबंद होती दिखी है।

यहां दिल्ली में आयोजित एक रैली के दौरान खड़गे ने कहा, कि पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं एक हैं तो सेफ हैं, लेकिन वे किसी को भी सेफ नहीं रहने दे रहे हैं। आप एकता की बात जरुर करते हैं, लेकिन आपके कार्य इसे धोखा देने जैसे हैं। खड़गे ने कहा कि आपके नेता मोहन भागवत ने तो कहा है कि अब जबकि राम मंदिर बन गया है, तो और अधिक पूजा स्थलों का सर्वे करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आप उनके शब्दों का सम्मान करते हैं, तो और कलह क्यों पैदा कर रहे हैं? खड़गे ने बीजेपी से पूछा कि क्या वह लाल किला, ताजमहल, कुतुब मीनार और चार मीनार जैसी संरचनाओं को भी ध्वस्त कर देंगे, जो मुसलमानों ने बनवाई थीं।

गौरतलब है कि नागपुर में संघ शिक्षा वर्ग, तृतीय वर्ष 2022 के समापन समारोह के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ज्ञानवापी विवाद को लेकर अपनी एक प्रतिक्रिया में कहा था कि इतिहास वो है जिसे हम बदल नहीं सकते। इस इतिहास को न आज के हिंदुओं ने बनाया और न ही आज के मुसलमानों ने ही इसे बनाया है, यह उस समय घटा.... अब हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना? इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि अब हमको कोई आंदोलन नहीं करना है। हर दिन एक नया मुद्दा नहीं उठाना चाहिए। अब झगड़े क्यों बढ़ाएं? इसे याद करते हुए खड़गे भाजपा नेताओं को सीख दे रहे हैं।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करे।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं.:–9911733939

सुविचार

संक्षिप्त समाचार

फेंगल तूफान से हुई बारिश से हुआ भूस्खलन, 40 टन वजनी चट्टान घरों पर गिरी,

–सात लोग मलबे में फंसे होने की आशंका, एनडीआरएफ टीम रेस्क्यू में जुटी

तिरुवन्नामलाई। फेंगल तूफान के चलते सोमवार को केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र में भारी बारिश हो रही है। फेंगल तूफान 30 नवंबर को पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया था। तूफान अब केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पहुंच गया है। तमिलनाडु में तिरुवन्नामलाई में पहाड़ी पर भूस्खलन हुआ। एनडीआरएफ के मुताबिक करीब 40 टन वजनी चट्टान पहाड़ से लुढ़ककर वीयूसी नगर की सड़क पर बने घरों पर गिरी जिससे 2 घर जमींदोज हो गए। सात लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कई लोग लापता हैं। टीम हाईड्रोलिक लिफ्ट से चट्टान हटाने की कोशिश कर रही है। तूफान फेंगल रविवार को कमजोर पड़ गया था। इसके असर से हुई मूसलाधार बारिश से 3 लोगों की मौत हो गई थी। पुड्?डुचेरी जिले में 24 घंटे में 49 सेमी बारिश हुई। यह 20 साल की सबसे ज्यादा बारिश है। शहरी इलाकों में पानी भरने से सेना को बुलाया गया। सेना ने 200 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। एक हजार लोगों को राहत शिविरों में भी पहुंचाया गया है। प्रशासन इस स्थिति पर नजर रखे हुए है।

ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग देख पुलिस को हुआ शक, चेक किया तो रह गई हैरान

–बैग में चांदी की सिल्लियां और दूसरे बैग में 375000 रुपए कैश मिला

चंदौली। दिल्ली–हावड़ा रेल रूट के पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (चंदौली) की जीआरपी ने कार्रवाई करते हुए चांदी तस्करों के गिरोह को दबोचा है। ये गिरोह अवैध रुप से चांदी की खेप लेकर वाराणसी से पश्चिम बंगाल जा रहा था। पुलिस ने पकड़े गए युवकों के पास से एक क्विंटल से ज्यादा चांदी की सिल्लियां बरामद की हैं। साथ ही साथ तीन लाख 75 हजार की नगदी भी बरामद की है। जीआरपी के मुताबिक बरामद की गई चांदी की कीमत एक करोड़ रुपए से ज्यादा है। पुलिस ने इस मामले में इनकम टैक्स और जीएसटी की टीम को भी सूचित किया है और मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन की जीआरपी और आरपीएफ की टीम स्टेशन पर रूटीन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान इन तीन युवक जिनके पास ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग मौजूद थे। शक के आधार पर जब उनके सामानों की तलाशी ली गई तो जीआरपी और आरपीएफ के जवान हैरान रह गए। सभी बैग में चांदी की सिल्लियां भरी थीं। साथ ही साथ एक बैग में 375000 रुपए कैश भी था। पुलिस ने जब उनसे चांदी और कैश के बारे में पूछताछ की तो वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उनके पास किसी भी तरह के कोई कागजात नहीं मिले हैं। पुलिस ने तीनों युवको को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि चांदी की इस खेप को वह बनारस से पश्चिम बंगाल ले जा रहे थे। जीआरपी का कहना है कि इन युवकों ने इससे पहले भी चांदी की तस्करी की थी। अब जीआरपी और आरपीएफ के साथ–साथ जीएसटी और इनकम टैक्स की टीम इनसे पूछताछ कर रही है।

यूपी के जालौन में भारी मात्रा में नकली डीएपी खाद बरामद, पांच आरोपी गिरफ्तार

जालौन। यूपी के जालौन जिले में पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों ने एक अभियान चलाकर नकली डीएपी खाद बेचने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और बड़ी मात्रा में नकली डीएपी बरामद की है। यह कार्रवाई जिले के नदी गांव स्थित निखिल खाद भंडार में चल रहे नकली डीएपी निर्माण मामले में की। जालौन एसपी के मुताबिक यह अभियान जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में कृषि विभाग और स्थानीय पुलिस ने चलाया। अधिकारियों को नदी गांव स्थित एक गोदाम में नकली डीएपी के उत्पादन की सूचना मिली थी, जिसके बाद वहां छापा मारा गया। छापेमारी में अधिकारियों ने गोदाम से 224 बैग नकली डीएपी, एक ट्रक में 616 बैग और एक पिकअप से 57 बैग नकली डीएपी बरामद किया है। इसके अतिरिक्त, खाली डीएपी बैग, सिलाई मशीन और अन्य संबंधित उपकरण भी जब्त किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 14 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान आदित्य राठौर, गोविंद तिवारी, धर्मेंद्र गुप्ता, अनुराग याग्निक और विकास चतुर्वेदी के रूप में की है। ये आरोपी इफको डीएपी के नाम से नकली खाद पैकिंग कर रहे थे और इसे जालौन के अलावा पड़ोसी जिलों और मध्यप्रदेश में भी बेच रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में जांच जारी है।

सुखबीर बादल को अकाल तख्त ने दी सजा, स्वर्ण मंदिर में सेवा का आदेश

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल को अकाल तख्त ने धार्मिक दुराचार का दोषी मानते हुए सजा सुनाई है। सजा के तहत उन्हें स्वर्ण मंदिर और अन्य पवित्र स्थलों में शौचालयों की सफाई, लंगर हॉल में बर्तन धोने और शबद कीर्तन में सेवा करनी होगी। यह निर्णय 2015 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को माफी दिलाने के मामले में सुखबीर बादल और उनकी सरकार के अन्य कैबिनेट सदस्यों की भूमिका को लेकर लिया गया है।

जानकारी अनुसार 2015 में अकाली सरकार के दौरान गुरमीत राम रहीम को धार्मिक मामले में दी गई माफी को लेकर सिख पंथ में गहरी नाराजगी पैदा हो गई थी। यह विवाद तब और बढ़ गया था जबकि डेरा प्रमुख ने गुरु गोबिंद सिंह जी की वेशभूषा का अनुकरण करते हुए अमृत छकाने का स्वांग रचा था। इसके खिलाफ सिख समुदाय ने विरोध जताया था और राम रहीम को अकाल तख्त ने सिख पंथ से निष्कासित कर दिया गया था। हालांकि, बाद में अकाली सरकार ने राम रहीम को माफी दिलाई, जिससे पंथ के प्रति गुस्सा और बढ़ गया।

बादल ने गलतियों को स्वीकारा

अकाल तख्त में पेशी के दौरान सुखबीर बादल ने अपनी गलतियों को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, कि हमसे कई भूलें हुईं। हमारी सरकार के दौरान बेअदबी की घटनाएं हुईं और दोषियों को सजा दिलाने में हम नाकाम रहे।

सजा का आदेश

अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने निर्णय सुनाते हुए कहा, सुखबीर बादल 3 दिसंबर से स्वर्ण मंदिर में दोपहर 12 से 1 बजे तक शौचालय साफ करेंगे। 1 घंटे तक लंगर हॉल में बर्तन धोएंगे। इसके बाद 1 घंटे तक शबद कीर्तन करेंगे। अगले चरण में वह केसगढ़ साहिब, दमदमा साहिब, मुक्तसर साहिब और फतेहगढ़ साहिब में भी सेवा करेंगे।

इसके साथ ही अकाल तख्त ने अकाली दल को 6 महीने में नया अध्यक्ष चुनने का निर्देश दिया है। सुखबीर बादल की यह सजा सिख समुदाय में धार्मिक अनुशासन को मजबूत करने के कदम के रूप में देखी जा रही है, लेकिन इसका राजनीतिक असर भी व्यापक हो सकता है।

किसानों की खुशहाली के बिना भारत विश्व गुरु नहीं बन सकता : कुलतार सिंह संधवां

चंड़ीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान परिषद, संयुक्त किसान मोर्चा समेत कई अन्य संगठन एक बार फिर से अपनी पांच मांगों को लेकर 'दिल्ली कूच' पर अड़े हुए हैं। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इतंजाम किए हैं। इसी बीच किसानों के प्रदर्शन को लेकर पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां का बयान सामने आया है।

कुलतार सिंह संधवां ने कहा, 'किसान हमारे देश को संकट से बाहर निकालने का काम करते हैं। किसानों के बच्चों ने ही देश को आजादी दिलाई। देश के अन्ने भंडारों को किसानों के बच्चोंि ने भरा। देश की रक्षा भी किसान के बच्चे करते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो लोग देश को विश्व गुरु बनाना चाहते हैं, वह किसानों की खुशहाली के बिना अपना यह सपना पूरा नहीं कर सकते। अगर देश को विश्व गुरु बनाना है तो किसानों की मांगों को पूरा करना होगा। अगर किसान खुशहाल होगा, तभी देश खुशहाल होगा। किसान की खुशहाली से ही देश की खुशहाली का रास्ताख निकलेगा।'

उन्होंखने कहा कि मैं केंद्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं कि वह किसानो की मांगों पर विचार करें और उसे जल्दम से जल्दर हल करने की दिशा में काम करें। भाजपा की तरफ से शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के उद्घाटन पर संधवा ने कहा कि अगर भाजपा के लोग इतना सम्मान करते हैं तो क्यों नहीं वो शहीद भगत सिंह को रिकॉर्ड पर शहीद लिखवाते हैं? उसकी नोटिफिकेशन जारी करें। बातों में नहीं एक्शन में भगत सिंह के प्रति सम्मान दिखाई देना चाहिए। किसान को इग्नोर कर रहे हैं और भगत सिंह के सम्मान की बात कर रहे हैं।

वहीं, विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि संविधान के निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें इतना अच्छो संविधान दिया है, जो हमें अपने अधिकार वोट के माध्यंम से हमें अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने का मौका देता है। उपचुनाव के बाद आज हमारे 3 विधायकों को कानूनी तौर पर काम करने का अधिकार मिल चुका है। हम सभी को बधाई देते हैं। मैं उम्मी3द करता हूं कि हमारे सभी विधायक लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

हम जमानत देते हैं, अगले दिन आप मंत्री बन जाते हैं, सेंथिल बालाजी केस में सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) नेता सेंथिल बालाजी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने के तुरंत बाद तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में बहाल किए जाने पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ इस बात की जांच करने पर सहमत हुई कि क्या एक मंत्री के रूप में उनकी भूमिका गवाहों पर दबाव डालेगी जब उनके खिलाफ गवाही देने की बात आएगी। अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें बालाजी को इस आधार पर जमानत देने के 26 सितंबर, 2024 के आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी कि उनकी बहाली से गवाह दबाव में आ जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस आधार पर जमानत दे दी थी कि मुकदमा जल्द शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। तीन दिन बाद 29 सितंबर को

बालाजी को एक बार फिर राज्य सरकार में मंत्री बनाया गया।

न्यायमूर्ति ओका ने पूछा कि हम जमानत दे देते हैं और अगले दिन आप जाकर मंत्री बन जाते हैं? कोई भी यह मानने को बाध्य होगा कि वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री के रूप में आपकी स्थिति के कारण अब गवाह दबाव में होंगे। यह क्या हो रहा है? अदालत ने कहा कि वह जमानत देने वाले पूरे फैसले को वापस नहीं लेगी लेकिन गवाहों के दबाव में आने की आशंका की जांच करेगी। आशंका यह है कि विधेय अपराधों में दूसरे प्रतिवादी के खिलाफ आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, गवाह कैबिनेट मंत्री का पद संभाल रहे दूसरे प्रतिवादी के खिलाफ गवाही देने की मानसिक स्थिति में नहीं हो सकते हैं।

अदालत ने कहा कि यह एकमात्र पहलू है प्रथम दृष्टया हम आवेदन पर विचार करने के इच्छुक हैं। बालाजी के वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा जिसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 13 दिसंबर, 2024 तय की। द्रमुक नेता सेंथिल बालाजी को नौकरी के बदले नकदी घोटाले के सिलसिले में पिछले साल जून में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वह तब तमिलनाडु में बिजली, निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री के रूप में कार्यरत थे।

ईवीएम हैक मामले में चुनाव आयोग ने दर्ज करवाया एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम का मुद्दा गर्माया हुआ है। सैयद शुजा नाम के शख्स ने दावा किया कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने सैयद शुजा के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत पर मुंबई साइबर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बताया गया है कि मुंबई पुलिस ने 30 नवंबर को सैयद शुजा के खिलाफ भारतीय न्याय और आईटी संहिता के तहत एफआईआर दर्ज की है। दरअसल शुजा ने दावा किया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को लंदन से हैक किया जा सकता है। हालांकि इसके बाद महाराष्ट्र चुनाव आयोग के अधिकारियों ने इस दावे को खारिज कर दिया है। इसके बाद उनकी शिकायत के आधार पर दक्षिण मुंबई साइबर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

कौन हैं सैयद शुजा ?

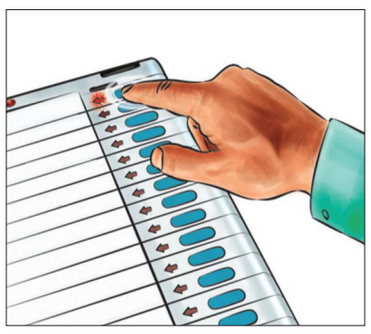

2019 में सैयद शुजा का एक वीडियो सामने आया था। इस वीडियो में उन्होंने दावा किया था कि 2014 में लोकसभा चुनाव में ईवीएम हैक कर ली गई थी। शुजा ने कहा कि बीजेपी नेता गोपीनाथ मुंडे का कोई एक्सीडेंट नहीं हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी हत्या की गई है। शुजा ने दावा किया था कि गौरी लंकेश और गोपीनाथ मुंडे की मौत का कारण भी ईवीएम से जुड़ा है। हालाँकि, शुजा ने कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया था। शुजा एक साइबर सुरक्षा शोधकर्ता हैं। वह मूल रूप से हैदराबाद के रहने वाले हैं। फिलहाल वह एक अमेरिकी कंपनी में काम करते हैं। शुजा का दावा है कि ईवीएम भारत में बनी है। उनका दावा है कि उन्होंने मशीन बनाने वाली टीम में हिस्सा लिया था। साथ ही उनके दावे के मुताबिक, उन्होंने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स निगम लिमिटेड में भी काम किया है। शुजा का दावा है कि 2014 में उनकी टीम पर ईवीएम हैक करने का दबाव था। हैदराबाद में उनकी टीम पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में कई साथियों की मौत हो गई। इस घटना के बाद दावा किया गया कि उनकी मौत दंगे में हुई।

महबूबा मुफ्ती देशद्रोह की बातें करती हैं : विश्वास सारंग

भोपाल(एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जिस तरह से अपने देश में अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं, उससे यह साफ जाहिर होता है कि मौजूदा समय में भारत और बांग्लादेश के बीच अब कोई अंतर नहीं रह गया है। महबूबा के इसी बयान पर अब विश्वास सारंग ने पलटवार करते हुए कहा, ' महबूबा मुफ्ती हर समय देशद्रोह की बातें ही करती हैं। इस देश में मुस्लिम समाज पूरी तरह से अपने अधिकार के साथ रहता है। हिंदुस्तान में इतने मुस्लिम रहते हैं, जितना की इंडोनेशिया को छोड़कर दुनिया के किसी भी मुस्लिम देश में नहीं रहते होंगे।' उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में जो हो रहा है, वो शर्मनाक है।

इस तरह की स्थिति को कहीं पर भी सहन नहीं किया जाएगा। आश्चर्य होता है कि ये लोग खाते हिंदुस्तान का, लेकिन, बातें दूसरे देश की करते हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि देशद्रोह की बातें करना महबूबा मुफ्ती को महंगा पड़ेगा।' सारंग ने धर्मांतरण को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'धर्मांतरण के मामलों को लेकर हमारी सरकार पूरी तरह से सख्त है। हम ऐसे मामलों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। धर्मांतरण के मामलों में पुलिस कानून के तहत कार्रवाई करेगी। स्पष्ट निर्देश है कि मध्य प्रदेश में लालच, दबाव या किसी भी तरह से कराए गए धर्मांतरण को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति न हो। यह सुनिश्चित करना हमारा काम है।'

भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा

प्रहलाद सबनानी

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिति लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा।

सहकारी क्षेत्र पर आधरित आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बबादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से 'ईज आफ डूइंग बिजिनेस' के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं।

विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनो में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। ह्लसहकारिता से विकासह्व का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

संपादकीय

'महायुति' में जोरआजमाइश

महाराष्ट्र की 'महायुति' सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसम्बर को होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। 23 नवम्बर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के इतने दिनों बाद अभी तक नये मुख्यमंत्री के शपथ न ले सकने पर अटकलबाजियों का बाजार भी गरम है। हालांकि इतना तय है कि मुख्यमंत्री भाजपा का होगा और देवेंद्र फड़णवीस मुख्यमंत्री की दौड़ में आगे चल रहे हैं। इस बीच, कार्यकारी मुख्यमंत्री और शिवसेना (शिंदे) के नेता एकनाथ शिंदे के अचानक स्वास्थ्य संबंधी कारणों से अपने पैतृक गांव चले जाने से यह भी लगता है कि महायुति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। महायुति के घटक दल भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) के बीच बताया जाता है कि भाजपा को मुख्यमंत्री पद और उपमुख्यमंत्री के दो पद, जिनमें से एक-एक पद शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) को दिए जाने पर मुहर लग चुकी है। तो शिंदे का एकाएक अपने गांव चले जाने को क्या समझा जाए? दरअसल, संख्या बल के मद्देनजर मुख्यमंत्री पद पर शिंदे दावा करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि उनके पक्ष के कुछ विधायकों ने यह कहकर मामले को गरमाने की कोशिश जरूर की कि चुनाव उनके चेहरे पर लड़ा गया था और उनकी कुछ योजनाओं ने मतदाताओं को खासा प्रभावित किया जिससे महायुति के पक्ष में जनादेश आया। यह भी कहलवाया गया कि मुख्यमंत्री पद पर ओबीसी को लाया जाए। ढ़ाई-ढ़ाई साल मुख्यमंत्री पद पर रहने का प्रस्ताव भी शिंदे के एक विधायक ने रखा था। लेकिन शिंदे को इतना साफ हो गया है कि भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री पद से नहीं नवाजने वाली। उस सूरत में तो कतई नहीं जब अजित पवार के समर्थन से बहुमत का आंकड़ा जुटाने की स्थिति में है। दरअसल, शिंदे की कोशिश है कि मुख्यमंत्री पद नहीं तो कुछ महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों पर काबिज हुआ जाए। इससे एक तो उन्हें अपने दल को एकजुट बनाए रखने में मदद मिलेगी और दूसरे, अपने मतदाता वर्ग को भी अपने साथ जोड़े रखने में मदद मिलेगी। शिवसेना (उद्धव) से भविष्य में मिल सकने वाली चुनौती से निश्चिंत होने के लिए शिंदे के लिए जरूरी है कि अपने मतदाता वर्ग और विधायकों को एकजुट रखते हुए अपनी पार्टी को मजबूत बनाए रखें। बहरहाल, शिंदे के सामने ज्यादा विकल्प नहीं हैं। भाजपा के पास सीएम पद रहना तय है। शिवसेना और एनसीपी (अजित) से 1-1 ड़िप्टी सीएम हो सकते हैं। इस बीच, घटक दलों में जोरआजमाइश जारी रहेगी।

मोहन की भागवत का नया अध्याय बच्चे बढ़ाओ

राकेश अचल

वेदव्यास की श्रीमद् भागवत कथा में 18 हजार श्लोक, 335 अध्याय व 12 स्कंध हैं , लेकिन आरएसएस के डॉ मोहन भागवत की कथा में न श्लोकों की संख्या तय है और न अध्यायों की और न स्कन्धों की। ये लगातार घटते-बढ़ते रहते हैं। डॉ मोहन भागवत की भगवत कथा भारतीय संविधान की तरह लचीली है। डॉ भगवत ने अपनी भागवत में एक नया अध्याय जोड़ा है तीन बच्चे पैदा करो का । अब उनके इस नए अध्याय से पूरा देश आल्हादित भी है और चिंतित भी।

संघ प्रमुख कहने को पशु चिकित्स्क हैं किन्तु वे मानवता से ओतप्रोत हैं। उन्हें पशुओं से ज्यादा मनुष्यों की फिक्र रहती है । आजकल उन्हें बहुसंख्यक हिन्दू समाज के अल्पसंख्यक होने की चिंता सता रही है इसीलिए उन्होंने देश की जनता से आव्हान किया है कि हर कोई कम से कम ३ बच्चे तो पैदा करें ही , अन्यथा उनका वजूद मिट जाएगा। डॉ भागवत को शायद पता नहीं है कि आजकल बच्चे पैदा करना तो दूर शादी करना भी कठिन हो गया है । देश में बच्चों से ज्यादा बेरोजगारों की सख्या बढ़ रही है और बरोजगारों की शादी आसानी से नहीं होती।ये बेरोजगार तीन बच्चे पैदा करने के राष्ट्रयज्ञ में कैसे शामिल हो सकते हैं?

गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम चरित मानस में लिखा है कि - पर उपदेश कुशल बहुतेरे, जे अचरहिं ते नर न घनेरे। डॉ भागवत इन्हीं घनेरे नरों में से एक हैं। डॉ भागवत को नहीं पता कि शादी करना और विवाह करना कोई आसान काम नहीं है। यदि होता तो वे खुद शादी न कर लिए होते। उनके मित्र प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने तो शादी की भी लेकिन भाग खड़े हुए । वे तीन क्या ,एक बच्चा भी इस देश को नहीं दे पाए। समाज की संरचना में इस लिहाज से डॉ भागवत और डॉ मोदी जी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए उन्हें ये कहने का भी अधिकार नहीं है कि लोग तीन बच्चे पैदा करें। इस देश को हम दो, हमारे दो का नारा देने वाली देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने शादी भी की और दो बच्चे भी देश सेवा के लिए दिए। यानि भागवत और मोदी के मुकाबले इंदिरा गाँधी का योगदान ज्यादा महत्वपूर्ण है। सवाल ये है कि डॉ भागवत को आबादी बढ़ने की सलाह देने की जरूरत आखिर पड़ी क्यों ? क्या डॉ भागवत समाजशास्त्री हैं? क्या डॉ भागवत अर्थशास्त्री हैं? नहीं हैं। वे पशु चिकित्स्क हैं। इसलिए उन्हें आबादी के बारे में बात करने की न पात्रता हासिल है और न किसी ने उन्हें ये अधिकार दिया है। देश की आबादी 2024 में 144 करोड़ थी ,जो भविष्य में घटना नहीं है ,भले ही देश की प्रजनन दर घटकर २ प्रतिशत ही क्यों न हो जाये। आबादी बढ़ाने की फिक्र उन देशों की हो सकती है जिन देशों में लगातार आबादी घट रही है । भारत तो जनसंख्या के मामले में विश्व चैम्पियन है। नंबर वन ,यानि चीन से भी आगे। इस पर भी डॉ भागवत कह रहे हैं कि देश का काम केवल दो बच्चों से चलने वाला नहीं ही ,कम से कम 3 बच्चे हर विवाहित जोड़े को पैदा करना चाहिए। संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत लगता है अपने प्रधानमंत्री के हम उम्र प्रचारक तो हैं किन्तु हम ख्याल बिलकुल नहीं है। उन्हें माननीय प्रधानमंत्री जी की योजनाओं और चिंताओं का पता नहीं है ,यदि पता होता तो वे आबादी बढ़ाने की बात ही न करते । शायद किसी ने डॉ भागवत को ये नहीं बताया कि इस देश में आज भी सरकार को 85 करोड़ लोगों को पेट भरने के लिए मुफ्त में अनाज देना पड़ रहा है। यानि इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास न दो जून की रोटी है,न रहने को घर ,चिकित्सा ,शिक्षा और दीगर सुविधाओं की तो बात ही दूर है। ऐसे में यदि लोगों ने आबादी बढ़ाना शरू कर दी तो ये मुफ्तखोरों की तादाद और नहीं बढ़ा देंगे !

देश को तीन बच्चे पैदा करने का गुरु मंत्र देने वाले डॉ भागवत को अपना समान्य ज्ञान बढ़ाना चाहिए ,क्योंकि शायद वे नहीं जानते कि दुनिया की कुल आबादी का कोई 18 फीसदी हिस्सा तो अकेले भारत के पास है। डॉ भागवत को पशु चिकत्सा शिक्षा के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ की वो रिपोर्ट नहीं पढ़ाई गयी होगी जिसके मुताबिक दुनिया में दुनिया के 1 अरब गरीबों में से 23 करोड़ से ज्यादा लोग अकेले भारत में रहते हैं। इनमें भी बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा यानि आधी है। डॉ भागवत को ये नहीं पता कि इस वर्ष की रिपोर्ट संघर्ष के बीच गरीबी पर केंद्रित है, क्योंकि 2023 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक संघर्ष हुए और युद्ध, आपदाओं और अन्य कारकों के कारण अब तक की सबसे अधिक संख्या यानी 11.7 करोड़ लोगों को अपने घरों को छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। इनमें मणिपुर की विभीषिका में

बेघर हुए लोग शामिल नहीं हैं। मुझे पता नहीं है कि डॉ भागवत ने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान किस विश्व विद्यालय से पढ़ा है ? मोहन भागवत ने कहा, आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज दुनिया से नष्ट हो जाता है जब कोई संकट नहीं होता है। इस तरह से कई भाषाएं और समाज नष्ट हो गए हैं. जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। मै डॉ मोहन भागवत के ज्ञान को कोई चुनौती देना नहीं चाहता,मेरी हैसियत भी नहीं है चुनौती देने की । लेकिन एक बालक बुद्धि के हिसाब से मै भी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की तरह जानना चाहता हूँ कि वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों को क्या देंगे. क्या वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों के बैंक खातों में 1500 रुपये देंगे ? क्या वह इसके लिए कोई योजना लाएंगे ? बहरहाल 3 बच्चे पैदा करने के मश्विरे के बारे में मै तो सोचने से रहा क्योंकि मेरे यहां तो फुलस्टाप लग चुका है ,लेकिन जो अभी इस उद्यम में लगे हैं ,वे सोचें ,समझें और खुद कोई निर्णय करे। डॉ भागवत की बातों में बिना समझे न आ जाएँ ,अन्यथा उनका तीसरा बच्चा भी मुमकिन है उस कतार में बैठा हो जिसे पांच किलो मुफ्त का अनाज खाकर जीवित रहना पड़ता है।

चिंतन-मनन

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया, जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाड़ू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।

गैस कांड के 40 साल; विकास की दौड़ में पिछड़ा भोपाल

अशोक भाटिया , मुंबई

भोपाल शहर में 3 दिसंबर की 1984 की सुबह को जब लोग नींद में से उठे तब तक यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) संयंत्र से अत्यधिक जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस लीक के कारण 5,479 लोग मारे जा चुके थे और पांच लाख से अधिक लोग अपंग हो गए थे। यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री काली परेड औद्योगिक परिसर का हिस्सा थी और यह वर्तमान पुराने शहर के बाहरी इलाके में थी।

घटनाक्रम के अनुसार 2 दिसंबर 1984 की मध्य रात से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की हवा जहरीली हो रही थी। रात होते ही और 3 तारीख लगते ही ये हवा जहरीली तो रही, लेकिन साथ ही जानलेवा भी हो गई। कारण था यूनियन कार्बाइड की फैक्ट्री से मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का लीक होना।गैस के लीक होने की वजह थी टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का पानी से मिल जाना। इससे टैंक में दबाव बन गया और वो खुल गया। फिर इससे निकली वो गैस, जिसने हजारों की जान ले ली और लाखों को विकलांग बना दिया, जिसका दंश आज भी दिखाई पड़ता है।2-3 दिसंबर की रात भोपाल के लिए वो रात थी जब हवा में मौत बह रही थी। फैक्ट्री के पास ही झुग्गी-बस्ती बनी थी, जहां काम की तलाश में दूर-दराज गांव से आकर लोग रह रहे थे। इन झुग्गी-बस्तियों में रह रहे कुछ लोगों को तो नींद में ही मौत आ गई। जब गैस धीरे-धीरे लोगों को घरों में घुसने लगी, तो लोग घबराकर बाहर आए, लेकिन यहां तो हालात और भी ज्यादा खराब थे। किसी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, तो कोई हांफते-हांफते ही मर गया। इस तरह के हादसे के लिए कोई तैयार नहीं था। बताते हैं कि उस समय फैक्ट्री का अलार्म सिस्टम भी घंटों तक बंद रहा था, जबकि उसे बिना किसी देरी के ही बजना था। जैसे-जैसे रात बीत रही थी, अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही थी, लेकिन डॉक्टरों को ये मालूम नहीं था कि हुआ क्या है? और इसका इलाज कैसे करना है?उस समय किसी की आंखों के सामने अंधेरा छा रहा था, तो किसी का सिर चकरा रहा था और सांस की तकलीफ तो सभी को थी। एक अनुमान के मुताबिक, सिर्फ दो दिन में ही 50 हजार से ज्यादा लोग इलाज के लिए पहुंचे थे। जबकि, कइयों की लाशें तो सड़कों पर ही पड़ी थीं। भोपाल गैस त्रासदी की गिनती सबसे खतरनाक औद्योगिक दुर्घटना में होती है। इसमें कितनों की जान गई? कितने अपंग हो गए? इस बात का कोई सटीक आंकड़ा नहीं है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस दुर्घटना में 3,787 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 5.74 लाख से ज्यादा लोग घायल या अपंग हुए थे। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए एक आंकड़े में बताया गया है कि दुर्घटना ने 15,724 लोगों की जान ले ली थी।इस हादसे का मुख्य आरोपी था वॉरेन एंडरसन, जो इस कंपनी का उएड था। 6 दिसंबर 1984 को एंडरसन को गिरफ्तार भी किया गया, लेकिन अगले ही दिन 7 दिसंबर को उन्हें सरकारी विमान से दिल्ली भेजा गया और वहां से वो अमेरिका चले गए। इसके बाद एंडरसन कभी भारत लौटकर नहीं आए। कोर्ट ने उन्हें फरार घोषित कर दिया था। 29 सितंबर 2014 को फ्लोरिडा के वीरो बीच पर 93 साल की उम्र में एंडरसन का निधन हो गया।गैस लीक होने के 8 घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था, लेकिन 1984 में हुई इस दुर्घटना से मिले जख्म 38 साल बाद भी भरे नहीं हैं। गैस पीड़ितों के लिए बने सबसे बड़े और एकमात्र सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बीएमएचआरसी के हाल ये हैं, कि यहां कई विशेषज्ञ डॉक्टर नौकरी छोड़ कर निजी अस्पतालों में ऊंची तनख्वाहों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं । बार-बार विभाग बदलने और डॉक्टरों के सेवा नियमों में बदलाव के चलते यहां से डॉक्टरों का 2012 से पलायन शुरू हो गया था । अब तक नियमित और संविदा मिलाकर 23 सुपर स्पेशलिस्ट यहां से जा चुके हैं । 1998 में बने इस अस्पताल को बनाने के पीछे मकसद था कि गैस पीड़ितों को सबसे अच्छा इलाज मिलेगा, लेकिन हकीकत यह है कि कैंसर सर्जरी, कैंसर मेडिसिन, किडनी रोग, यूरोलाजी और उदर विभागों में तो एक भी डॉक्टर नहीं है । किडनी मरीजों की डायलिसिस की जा रही है, लेकिन किडनी का कोई विशेषज्ञ नहीं है । अस्पताल में करोड़ों रुपए की मशीनें खरीद ली गयीं, पर चलाने वाले ही नहीं हैं । भोपाल ग्रुप फॉर इनफॉरमेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा का कहना है कि बीएमएचआरसी में न तो डॉक्टर हैं और न ही जांच और इलाज की पर्याप्त सुविधाएं । जिस अस्पताल का काम गैस पीड़ितों का सही इलाज और शोध करना था, वहां गैस पीड़ित इलाज और दवा के अभाव में असमय मर रहे हैं । गैस पीड़ितों के हाल इससे ही समझे जा सकते हैं कि उनके अस्पताल, इलाज, मुआवजे के लिए सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लंबी लड़ाई लड़ने वाले गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन के नेता अब्दुल जब्बार को ही समय पर इलाज नहीं मिल पाया । 2 वर्ष पूर्व बीएमएचआरसी में बेहतर इलाज न मिलने के कारण उनकी मौत हो गई । उसी बीएमएचआरसी में जो गैस पीड़ितों के लिए ही बना है । जब्बार देश-विदेश में गैस पीड़ितों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वालों का प्रमुख चेहरा थे ।गैस पीड़ितों के लिए काम करने वाले संगठन संभावना ट्रस्ट ने मीडिया को अपने अध्ययन के हवाले से बताया कि बीते 15 साल में गैस पीड़ितों में बीमारियां 3 गुना ज्यादा बढ़ी । गैस पीड़ितों में किडनी, लिवर, लंग्स, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी तमाम बीमारियां बढ़ गई । ट्रस्ट के सतीनाथ षडंगी और संभावना क्लीनिक के डा . संजय श्रीवास्तव ने 15 साल में 27 हजार 155 गैस पीड़ितों के इलाज के दौरान सामने आये आंकड़ों के आधार पर ये दावा किया । उन्होंने अपने विश्लेषण में पाया है कि यूनियन कार्बाइड की जहरीली गैस से पीड़ित लोगों में स्वस्थ लोगों की तुलना में वजन और मोटापे की समस्या 3 गुना ज्यादा है । इसके अलावा थायराइड की बीमारी की दर लगभग 2 गुना ज्यादा है । गैस त्रासदी के शिकार होने की वजह से पीड़ितों के शरीर के अंदरूनी और बाहरी तंत्र को स्थाई रूप से नुकसान पहुंचा है ।40 साल पहले हुई इस गैस त्रासदी ने कई महिलाओं की कोख को आबाद नहीं होने दिया । जहरीले रसायन का असर ऐसा था कि बार-बार महिलाओं का गर्भपात हो जाता था । यह बात कई शोधों, अध्ययनों और सर्वे रिपोर्ट्स के माध्यम से जाहिर हो चुकी है । सन् 2012 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी यूनियन कार्बाइड कारखाने में दफन जहरीला रासायनिक कचरा राज्य की सरकारें हटवाने में आज तक नाकाम रहीं । सुप्रीम कोर्ट का आदेश था कि वैज्ञानिक तरीके से कचरे का निष्पादन किया जाए, लेकिन कारखाने में दफन 346 टन जहरीले कचरे में से 2015 तक केवल एक टन कचरे को हटाया जा सका । इस काम का ठेका रामको इन्वायरो नामक कंपनी को दिया गया है । लेकिन कचरा अभी तक क्यों नहीं हटाया जा सका, इसका जवाब किसी के पास नहीं है । इस कचरे के कारण यूनियन कार्बाइड के आसपास की 42 से ज्यादा बस्तियों का भूजल जहरीला हो चुका है । पानी पीने लायक नहीं है, लेकिन किसी को फिक्र नहीं है । गैस पीड़ितों के लिए काम करने वाले संगठन संभावना ट्रस्ट के प्रबंधक, न्यासी सतीनाथ षडंगी ने 1 दिसंबर मंगलवार को त्रासदी की 36वीं बरसी की पूर्व संध्या पर दावा किया कि परिसर में पड़े जहरीले कचरे का दुष्प्रभाव भोपाल रेलवे स्टेशन तक पहुंच गया है । यूनियन कार्बाइड कारखाने और स्टेशन की दूरी डेढ़ से दो किलोमीटर है । दो साल पहले तक जहरीले कचरे से आसपास की 48 बस्तियों के भूमिगत जल स्त्रोत प्रभावित हुए थे । लेकिन इसका भूमिगत दायरा बढ़कर भोपाल स्टेशन तक जा पहुंचा है । इससे उन रहवासियों के लिए दिक्कतें होंगी, जो इस इलाके के भूमिगत जल स्त्रोतों का उपयोग करते हैं । केंद्र सरकार ने वर्ष 2010 में सुधार याचिका लगाई थी, जो पांच न्यायाधीश वाली संविधान पीठ के पास है। इस पर विगत 11 अक्टूबर को हुई सुनवाई में केंद्र सरकार की ओर से जनवरी 2023 में होने वाली सुनवाई में तथ्यों के साथ बहस करने का भरोसा दिया है। दुनिया की बड़ी औद्योगिक त्रासदी में शामिल भोपाल गैस कांड पर सुप्रीम कोर्ट में 38 वर्ष बाद शुरू हुई सुधार याचिका पर सुनवाई ने गैस पीड़ितों में न्याय की उम्मीद जगा दी है। दो व तीन दिसंबर 1984 की दरमियानी रात हुई इस त्रासदी में हजारों परिवारों ने अपना सब कुछ दिया था । इन परिवारों की अब तीसरी पीढ़ी भी त्रासदी का दंश झेलने का मजबूर है। सरकार ने गैस पीड़ितों के लिए स्वास्थ्य से लेकर तमाम सुविधाएं समय-समय पर मुहैया कराने के प्रयास किए, लेकिन लचर व्यवस्था के चलते प्रयास नाकाफी रहे। ज्यादातर पीड़ित परिवारों के पास रोजगार के साधन नहीं रहे । ये रोज कमाते और रोज खाते रहे । त्रासदी के बाद पीड़ितों को दिए गए मुआवजे को गैस पीड़ित संगठन नाकाफी बताते रहे और उनकी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गई। बताया जाता है कि इस आपदा के कारण, भोपाल राज्य की राजधानियों के विकास की दौड़ में पिछड़ गया। भोपाल में कोई नया औद्योगिक और बड़ा व्यवसाय विकास नहीं हुआ, जिसके परिणामस्वरूप शहर के विकास की गति धीमी हो गई। गैस त्रासदी के समय, भोपाल की आबादी लगभग 8. 5 लाख थी। बताया गया कि लगभग 5. 2 लाख लोग, जिनमें 2 लाख बच्चे और लगभग 3,000 गर्भवती महिलाएं शामिल थीं, उस समय 36 वार्डों में रह रहे थे, जिन्हें बाद में ₹गैस प्रभावित₹ घोषित किया गया। आपदा के तुरंत बाद स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और प्रदूषण के बने रहने के डर से बड़ी संख्या में लोग शहर छोड़कर चले गए। लेकिन समय के साथ, शहरीकरण और आर्थिक अवसरों जैसे कारकों से प्रभावित होकर जनसंख्या स्थिर हो गई और बढ़ने लगी। 1991 तक, जनसंख्या में वृद्धि हुई, जो धीरे-धीरे वापसी और निवासियों के आने का संकेत देती है। बताते है कि संदूषण की चिंताओं के कारण गैस रिसाव स्थल के आसपास के क्षेत्र में विकास धीमी गति से हुआ, क्योंकि लोग गैस रिसाव के असर को लेकर सतर्क थे।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक एवं टिप्पणीकार पत्रकारिता में वसई गौरव अवार्ड से सम्मानित, वसई पूर्व - 401208 (मुंबई)
फोन/ 9221232130

नगर निगम में मुलायम की प्रतिमा पर हंगामा

पार्षद की शिकायत पर अधिकारी बोले- हमें जूता मार लो, साबरमती फिल्म के टिकट का खर्च मेयर खुद भरेंगी

लखनऊ। नगर निगम कार्यकारिणी की सोमवार को बैठक हुई। इसमें पार्षदों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान जलकल विभाग के अधिकारियों की शिकायत महापौर सुषमा खर्कवाल से की तो अधिकारियों ने कहा- हमें जितने जूते मारने हैं। मार लो। नगर निगम की बैठक शुरू होते ही सपा पार्षदों ने मोर्चा खोला। दरअसल, मुंशी पुलिया चौराहे पर पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन महापौर ने स्वीकार नहीं किया। इससे नाराज सपा पार्षदों ने हंगाम शुरू कर दिया। वार्डों में खुदी पड़ी सड़कों से परेशान भाजपा पार्षदों ने भी उनका साथ दिया।बैठक में ह्यद साबरमती रिपोर्ट फिल्म के टिकट

पेमेंट को लेकर भी चर्चा हुई। हाल में महापौर ने पार्षद और नगर निगम अफसरों को साबरमती रिपोट फिल्म दिखाई थी। इसके करीब 200 फिल्म टिकट और स्नैक्स का 46 हजार रुपए पेमेंट होना था। महापौर ने सदन को एक आदेश पत्र दिखाया, जिसमें फिल्म टिकट का खर्च निजी तौर पर वहन करना बताया गया है। सपा पार्षद और कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र वाल्मीकि और महिला पार्षद शबा हसन ने कार्यकारिणी बैठक का बहिष्कार किया और वॉक आउट कर गए। सुरेंद्र वाल्मीकि ने कहा- कार्यकारिणी में किसी प्रस्ताव पर निष्कर्ष निकलता नहीं दिखा है। पूर्व मुख्यमंत्री और रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव के नाम पर मुंशी पुलिया चौराहे का नाम करने, उनकी प्रतिमा लगाने और इस्माइल गंज प्रथम वार्ड मुलायम सिंह के नाम पर करने का प्रस्ताव रखा था। मेयर ने प्रस्ताव नहीं सुना। इसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह सहित अन्य लोगों के नाम पर प्रस्ताव स्वीकार किए गए हैं। मुलायम सिंह की प्रतिमा का प्रस्ताव स्वीकार नहीं होने पर कार्यकारिणी का बहिष्कार किया। जल निगम के खिलाफ पार्षदों का हंगामा भाजपा पार्षदों ने जलकल विभाग द्वारा सीवर और पेयजल लाइन बिछाने के लिए खोदी गई रोड की अब तक मरम्मत नहीं करने से नाराज होकर हंगामा किया। पार्षद अनुराग मिश्रा, रंजीत सिंह, गौरी सांवरिया, मुकेश सिंह मोंटी आदि मेयर के सामने फर्श पर धरने पर बैठ गए। महापौर के आश्वासन के बाद पार्षद शांत हुए। भाजपा पार्षदों ने इस बात से नाराजगी जताई कि सीवर और पेयजल पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत महीनों बीतने के बाद भी जलकल विभाग नहीं कर रहा है। पार्षदों ने जलकल विभाग के अधिकारियों से पूछा कि जो रोड खोदी गई है। उनको कितने दिन में बनाएंगे। इस पर जलकल विभाग के इंजीनियर के जवाब पर भाजपा पार्षद नाराज हो गए। पार्षद मुकेश सिंह मोंटी ने कहा कि लोकसेवक को इस तरीके की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। महापौर ने कहा- कतकी मेले को लेकर जलकल विभाग ने कई जगहों पर सड़कों की खुदाई की है। अब तक सड़क नहीं बनी है तो जो जिम्मेदार अधिकारी है। उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। इसके लिए नगर विकास मंत्री से बात करेंगे। हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए मिलेंगे 63 करोड़ महापौर ने बताया कि कार्यकारिणी बैठक में मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा को लेकर प्रस्ताव दिया गया है। क्रेन खरीदने का टेंडर 7 दिसंबर को खुलेगा। शहर के सार्वजनिक स्थानों की रंगाई-पुताई कर वाल पेंटिंग की जाएगी। इसमें लखनऊ के ऐतिहासिक स्थल प्रदर्शित किए जाएंगे। वहीं, हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए 63 करोड़ रुपए मिलेंगे।

प्रो लक्ष्मण यादव को गया गया सम्मानित

कसया, कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित भदन्त ज्ञानेश्वर बुद्ध बिहार में प्रो. लक्ष्मण यादव को सपा समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट उदयभान यादव ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कुशीनगर एक कार्यक्रम में भाग लेने आये प्रो. यादव ने सोमवार की सुबह मुख्य महापरिनिर्वाण मन्दिर में बुद्ध का दर्शन कर चीवर चढाया। भन्ते मुलायम ने श्री यादव को बुद्ध स्थली के ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी। प्रो यादव ने सभी को अपनी लिखी पुस्तक प्रोफेसर की डायरी भेंट की। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष प्रधान संघ जनार्दन यादव, पूर्व सभासद अमरजीत सिंह, डॉ अवधेश कुशवाहा, नितेन्द्र विश्वकर्मा, सचिन यादव, सरफराज, पंकज यादव, दिनेश यादव ने प्रोफेसर यादव का स्वागत किया।

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन 5 को

कुशीनगर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में 5 दिसंबर दिन गुरुवार को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक हिंदू रक्षा संघर्ष समिति कुशीनगर द्वारा बुद्धा पार्क रविन्द्र नगर में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा । इसके माध्यम से हिंदुओं पर अत्याचार को तत्काल रोकने की मांग की जाएगी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ विभिन्न हिंदू संगठनों ने बांग्लादेशी हिंदू रक्षा संघर्ष समिति बनाई है। समिति के सदस्य डॉ ममता मणि त्रिपाठी और विजय कुमार शुक्ल ने सोमवार को पडरौना के एक होटल में पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने बताया कि

बांग्लादेश में हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर वहां की सेना और इस्लामिक कट्टरपंथी भयानक अत्याचार कर रहे हैं। निदोर्षों की घरों से खींचकर हत्याएं की जा रही हैं। बहन, बेटियों, बच्चों और बस्तियों पर हमले हो रहे हैं। मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से आहत हिंदू रक्षा संघर्ष समिति के समिति के सदस्यों की एक आवश्यक बैठक पडरौना स्थित होटल में हुई । इस बैठक में सदस्यों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अन्याय और अत्याचार पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हिंदू समाज की एकता को प्रदर्शित करने और बांग्लादेशी हिंदूओं के पक्ष में खड़े होने के लिए प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। जिले में निवास करने वाले सभी हिंदू बंधुओ से आग्रह किया जाएगा कि अपनी सामूहिक शक्ति प्रदर्शित करने के लिए और संपूर्ण विश्व को हिंदू हितों का नुकसान न पहुंचने का संदेश देने के लिए हम सभी अधिक से अधिक संख्या में बुद्धा पार्क पहुंचे। अपील किया गया कि सभी हिंदू बंधु भाग ले विचारों को सुने और बांग्लादेशी हिंदू बंधुओं के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करें।

लखनऊ में ट्रक ने पति-पत्नी को रौंदा..मौत

स्कूटी से बच्चों के साथ जा रहे थे ससुराल; दंपत्ति टायर के नीचे आए, बच्चे दूसरी ओर गिरे

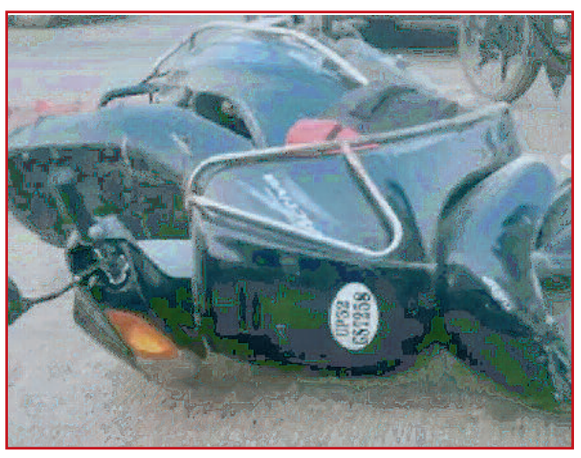

लखनऊ। के गोसाईगंज में तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में पति-पत्नी की मौके पर मौत हो गई। हादसा गोसाईंगंज कस्बा में शाम 5 बजे के आसपास हुआ है। मृतक कुशमेश कन्नौजिया (40) और पत्नी आरती (38) बाराबंकी के रहने वाले हैं। दोनों स्कूटी से सेखना घाट स्थित घर से बेटी प्रज्ञा, प्रतिज्ञा और बेटे सौरभ के साथ लखनऊ आ रहे थे। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में दोनों बेटियां सुरक्षित हैं। बेटे सौरभ का सिर फट गया है। उसका इलाज उल्ऊ में चल रहा है। पुलिस ने ट्रक को सुशांत गोल्फ सिटी के पास से पकड़ लिया है।पति, पत्नी को लेकर बच्चों के साथ जा रहा था ससुराल मृतक सेखनापुर गांव में ससुराल में रहता था। वह अपने घर से ससुराल ही आ रहा था। वह चांद सराय गांव के पास पहुंचा तभी ट्रक से एक्सीडेंट हो गया।

टक्कर लगने के बाद स्कूटी सवार उछलकर दूर जा गिरे। ट्रक पति पत्नी को रौंदते हुए भाग निकला। बच्चे बाई ओर गिरे थे।

सजग प्रहरी: हाय रे चुनउवा दिहले गउवां के बांटी

कुशीनगर। फाजिलनगर के जोकवा बाजार स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में साहित्यिक और सामाजिक संस्था सजग प्रहरी द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी प्रभावशाली रचनाओं से शमां बांध दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत संचालक व कवि मनन्जय तिवारी निर्मल की वाणी वंदना से हुई। कहा दीयवा जरा दे माई बिना तेल बाती के। भोजपुरी कवि दिनेश तिवारी भोजपुरिया ने अपनी कविताः

हाय रे चुनउवा दिहले गउवां के बांटी, साथ उहो छोड़लें जे मीत रहे खांटी। सुभाष सम्राट ने मुस्कान है होठों पर दर्द है सीने में। सजग प्रहरी के अध्यक्ष नंदलाल विद्रोही ने किस कदर रहनुमा हुआ बाउसूल, बोता है कांटा और कहता है फूल। संजय मिश्रा संजय ने शायद जीवन कम पड़ जाए तुम्हें भूलाने में। कवियत्री डा. रानी शुक्ला रैना ने प्रेम को परिभाषित करते हुए प्यार मीठा जहर ह पीय सोंचिके। कवियों में अभिमन्यु पांडे मन्नू, ओमप्रकाश द्विवेदी,राम नगीना यादव, आकाश महेश पुरी, अवध किशोर अवधू, संतोष संगम और हरेश राय बेदर्दी ने भी अपनी कविताओं से कार्यक्रम में चार चांद लगाए। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला, भाजपा नेता कुंवर डा.महेंद्र कुमार सिंह,पूर्व प्रमुख शिवनाथ यादव, समाजसेवी संतोष तिवारी, अनिल जायसवाल, डा.सत्येंद्र पांडेय, सामाजिक कार्यकर्ता व स्वतंत्रता सेनानी आश्रित केदार सिंह, स्वतंत्रता सेनानी आश्रित संगठन के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र ऊर्फ इंदू उपाध्याय, अशोक यादव,चंद्रशेखर यादव लड्डू,जफरुल्लाह बाबु , इंद्रसेन ऊर्फ पिंटु,मधूसूदन तिवारी, विनोद राय समेत सैकड़ों श्रोता मौजूद रहे। अध्यक्षता कुड़वा स्टेट के कुंवर उपेंद्र सिंह ने और संचालन आयोजक नंदलाल विद्रोही ने किया। रामकोला के विधायक विनय प्रकाश गोंड़ ने कवि सम्मेलन और बौद्धिक विमर्श को समाजिक जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। अंत में आयोजक ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नागेंद्र गुप्ता ने कवियों और उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

संस्कार -संगम द्वारा संगीतमय बारहमासा कार्यक्रम आयोजित

कसया, कुशीनगर।
परंपरागत एवं लुप्तप्राय कलाओं के संवर्धन में अग्रणी अखिल भारतीय संस्था संस्कार -संगम कुशीनगर के तत्वाधान में संगीतमय बारहमासा कार्यक्रम आयोजित किया गया।
नगर के गोपालगढ़ स्थित संस्था संरक्षक सुरेश प्रसाद गुप्त के नगर स्थित आवास पर आयोजित संगीतमय बारहमासा कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण कर एवं एकात्मता मंत्र यं वैदिका मंत्रदृशः पुराणा.....के गायन से हुआ। । मुख्य अतिथि त्रिभुवन त्रिपाठी ने कहा बारहमासा,

भारतीय लोक परंपरा का एक लोकगीत है. यह एक काव्य शैली है जिसमें साल के बारह महीनों की प्राकृतिक विशेषताओं का वर्णन किया जाता है। विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य गोविंद चतुवेर्दी ने कहा सावन और आषाढ़ में इन गीतों को झूला झूलते हुए गाया जाता है। दिनेश तिवारी भोजपुरिया ने बारहमासा गीतों का वर्णन करते हुए प्रत्येक ऋतु के गीतों की प्रस्तुति दी। अम्बरीष विश्वकर्मा ने पापीहा पुकारे जहावां बोले कोइलरिया उहे गउआँ मोरा। सुनंदा शर्मा ने बोलो जी बोलो भक्तो, निधि शर्मा ने पकड़ लो हाथ बनावरी एवं देखि के मनवा लोभा गइले रामा। वंदना मद्धेशिया ने बता क्या करुँ और तेरे लिए। सरिता मिश्रा ने ठंडी के इस मौसम में तुम, अशोक ने जब हम भइली समउरिया बलम छोडी गइले हो राम। कृष्णनंद त्रिपाठी ने तूँ त घूमी अइलू सगरो जहाँन चिरई। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ रविशंकर प्रताप राव व संचालन शिक्षक राजू मद्धेशिया ने किया। जबकि आभार मंत्री पवन गुप्ता ने ज्ञापित किया। समापन वन्देमातरम.... के सश्वर गायन से हुआ। इस अवसर पर राम नारायण जायसवाल, रमेश मद्धेशिया, जनार्दन, शैलेश, शिवतार, अमित मिश्रा, सुरेंद्र पांडेय, विष्णु गुप्त, धनंजय राव, प्रवक्ता कृष्ण मुरारी धर द्विवेदी, धीरज जायसवाल, विवेक विश्वकर्मा, सुभाष मद्धेशिया उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सुंदर पहल:डॉ0 आशुतोष

कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में सोमवार को पडरौना नगर स्थित उदित नारायण पीजी कॉलेज परिसर में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 आशुतोष सिंह के जन्मदिन पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। डॉ0 सिंह ने अपनी अर्धांगिनी अनीता सिंह के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नयी दिशा द्वारा जन्मदिन पर चलाया जा रहा अभियान पर्यावरण संरक्षण की एक बहुत सुंदर पहल है। इसे जन अभियान बनाने की जरूरत है। क्योंकि पौधों से प्राप्त ऑक्सीजन से ही हमारा जीवन सम्भव है। इस अवसर पर डॉ0 शम्भू प्रसाद, लेखाकार संजय सिंह, विजय शंकर लाल श्रीवास्तव, शमशेर मल्ल, अभिमन्यु सिंह, अखिलेश सिंह, नीलम सिंह, अमित कुमार, अशोक शर्मा, रिजवान अली, नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र आदि उपस्थित रहे।

जरिया पुलिस ने फरार अभियुक्त को किया गिरफ्तार

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की जरिया पुलिस ने अभियुक्तों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत 2 दिसम्बर 2024 को मु०अ०सं० 312/24 धारा 352/351(2)बी०एन०एस सहित 3(1)द/3(1)ध/3(2)(५)/3(1)(६) एस सी एस टी एक्ट सहित 67 आईटी एक्ट और 8 पाक्सो एक्ट के फरार चल रहे कौशाम्बी निवासी 35 वर्षीय अभियुक्त मुकेश कुमार चौरसिया को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जबकि अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में खासतौर से एस आई रमाकान्त शुक्ल सहित कांस्टेबल मनोज कुमार शामिल रहे।

लेजर डिवाइस के रडार पर आए 5 वाहनों का चालान

बस्ती। हाईवे पर अब ओवर स्पीड वाहन चलाने वालों की खैर नहीं है। ओवर स्पीड पर नकेल कसने के लिए अब ट्रैफिक पुलिस की टीम हाईवे पर भी नजर आएगी। सोमवार को टीम ने स्पीड रडार लेजर डिवाइस तकनीक का इस्तेमाल करते हुए पांच वाहनों का चालान किया है। पुराने जमाने का कैमरा नुमा स्पीड रडार लेजर डिवाइस को लेकर जब टीएसआई अवधेश तिवारी अपनी टीम के साथ हाईवे पर पहुंचे तो पहले तो लोगों को कुछ समझ नहीं आया कि अखिर यह कौन सा यंत्र है, लेकिन बाद में जब पता चला कि यह स्पीड चेक करने का यंत्र है, तो लोग अलर्ट हो गए। चेकिंग स्थल से गुजरने वाले राहगीर दूसरे राहगीरों के बताने लगे कि स्पीड कंट्रोल में कर गाड़ी चलाएं क्योंकि आगे चेकिंग हो रही है। टीएसआई अवधेश तिवारी ने कहा कि सुरक्षित यात्रा में वाहनों की स्पीड लिमिट जरूरी है। बताया कि तेज रफ्तार से वाहन चलाने पर चालक गाड़ी से कंट्रोल खो देता है, जिसके चलते दुर्घटना हो जाती है, इसी को कम करने के लिए ओवर स्पीड के खिलाफ अभियान चलाया गया है, जिसके तहत पांच वाहनों का चालान किया गया है। डिवाइस के बारे में बताते हैं कि इससे निकले वाले लेजर को हम वाहन के नंबर प्लेट पर फोकस करते हैं, जिससे स्पीड और वाहन स्वामी का नाम आदि पता चला जाता है, इसी से हम ओवर स्पीड वाहनों का चालान करते हैं। नेशनल हाइवे के लिए यह स्पीड निर्धारित है टीएसआई बताते हैं कि नेशनल हाइवे के लिए निर्धारित स्पीड लिमिट के तहत कार के लिए 80 किमी प्रति घंटा, बस के लिए 60 किमी प्रति घंटा, ट्रक व बाइक के लिए 50 किमी प्रति घंटे की लिमिट निर्धारत है, इससे तेज चलने पर वाहनों का चालान किया जाएगा।

भूमि विवाद में राजमिस्त्री को पीटा, फायरिंग

बस्ती। के परशु रामपुर थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में भूमि विवाद में दो राउंड गोली चलने की सूचना पर पुलिस अधिकारी दौड़ पड़े। सोशल मीडिया पर भी फायरिंग की बात कही जाने लगी। पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस ने फायरिंग की घटना से इनकार किया है। कहा, मारपीट हुई है। जांच की जा रही है। थाना क्षेत्र के वेरता गांव में रविवार देर शाम की है। यहां के रहने वाले अरुण श्रीवास्तव पुत्र कृष्ण चंद्र श्रीवास्तव मकान बनवा रहे थे, इनका आरोप है कि उनके विपक्षी आधा दर्जन लोगों के साथ लामबंद होकर आए और उनकी दीवार गिरा दिया। इतना ही नहीं मिस्त्री से मारपीट करने लगे। चुनाई कर रहे मिस्त्री पप्पू निवासी रोहरौली को मारापीटा, जिसमें उन्हें चोट भी आई है। इस दौरान फायरिंग का भी आरोप है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को 108 एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। इस घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। घटना को लेकर एसओ परशु रामपुर दिनेश चंद्र चौधरी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। भूमि विवाद को लेकर मारपीट हुई है। घायल राज मिस्त्री को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उन्होंने गोली चलने की घटना से इनकार किया है'

संक्षिप्त डायरी

सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन ने सर्वसम्मति से किए चुनाव अधिकारी नियुक्त

संस्कार उजाला

सहारनपुर । अधिवक्ता एसोसिएशन कार्यकारिणी की बैठक में विचार विमर्श के उपरांत बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की गई । कार्यकारिणी कक्ष में आयोजित सभा में सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा कि सभा में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि बार एसोसिएशन के चुनाव 2024-2025 के सुचारू रूप से संचालन हेतू सत्यपाल सिंह सैनी, एडवोकेट को (मुख्य चुनाव अधिकारी) व अक्षय मित्र वत्स एडवोकेट, शहजाद अंसारी, एडवोकेट, सुनील पुण्डीर, एडवोकेट, कुलदीप सिंह एडवोकेट को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया । अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा कि ये चुनाव वर्ष 2024-2025 के सम्बन्ध में विधिवत रूप से कार्य करेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने बताया 16 दिसंबरः नामांकन पत्रों की बिक्री से व 17 दिसंबर को नामांकन पत्रों का दाखिला, 18 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी, 19 दिसंबर को प्रचार का दिन व 20 दिसंबर को मतदान व 21 दिसंबर को मतगणना और परिणामों की घोषणा की जाएगी।

स्नातक के अंक पत्र में हुई त्रुटियों के सुधार हेतु महाविद्यालय प्रशासन को विद्यार्थी परिषद ने ज्ञापन सौपा।

संस्कार उजालाा

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। सोमवार को राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय ओबरा सोनभद्र में अंक पत्र में हुई गड़बड़ी को लेकर के ABVP के कार्यकताओं के द्वारा सुधार हेतु ज्ञापन सौंपा और प्राचार्य से वार्ता की प्राचार्य ने भी आश्वासन देते हुए कहा इसको जल्द से जल्द सुधर जाएगा। वही विद्यार्थी परिषद के विभाग सह संयोजक सौरभ सिंह पंकज ने कहा कि जैसा कि आप सभी को ज्ञात है कि विद्यार्थी परिषद स्थापना काल से ही सदैव छात्रहित के मुद्दों पर अपनी आवाज को बुलंद करता रहा है और आज भी छात्रों की समस्या को देखते हुए अइश्ढ आगे आया है। वही जतिन पांडे एवं आनंद कुमार ने संयुक्त रूप से कहा यहां पर उपस्थित सभी छात्राओं की समस्या के निदान हेतु हम प्राचार्य से आग्रह किए हुए हैं और अगर हमारी समस्या का हल नहीं निकलता है तो हम सभी कार्यकर्ता उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान प्रमुख रूप से विभाग सहसंयोजक सौरभ सिंह पंकज, आनंद कुमार, शशांक पांडेय, जतिन पांडेय, अंश चौबे, मोहित यादव, प्रियांशु सोनकर, गौरव व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क पर खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली में बाईक पीछे से टकराई, दम्पति हुई दर्दनाक की मौत.

संस्कार उजालाा

अरविंद गुप्ता ब्यूरो चीफ सोनभद्र।

सोनभद्र। रायपुर थाना क्षेत्र के पटवध मोड़ के पास खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में पिछे से टक्कर लगने से पत्नी कि मौत हो गई। तो वहीं पति को गंभीर रूप से घायल होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी कि मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पन्नुगंज थाना क्षेत्र के छोढ़ा ग्राम पंचायत के खोखवा गांव निवासी विमलेश पुत्र तेजबली उम्र 28 वर्ष अपनी पत्नी प्रमिला उम्र 25 वर्ष के साथ रविवार को दिन में बाइक से रायपुर थाना क्षेत्र के नगांव गांव में तिलक समारोह में गया हुआ था। तिलक कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात पति-पत्नी रविवार की रात करीब आठ बजे बाइक से लौट रहे थे। रायपुर थाना क्षेत्र के पटवध मोड़ के पास एक ट्रैक्टर ट्राली सहित खड़ी थी, पिछे से बाइक अनियंत्रित होकर ट्राली से भीड़ गई। जिससे बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आस पास के लोगों द्वारा 108 एम्बुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वैनी ले जाया गया। जहां प्रमिला देखते हि डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जबकि विमलेश को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची रायपुर पुलिस ने आवश्यक कारवाई करते हुए शव को पिएम के लिए रात में ही जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं जिला अस्पताल में इलाज के दौरान बिमलेश कि भी मौत हो गई।

अवैध तरीके से वाहनों को पास कराने वाले व खनन/परिवहन करने वाले 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार ।

संस्कार उजालाा

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र । अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) तथा क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा दिनांक 02.12.2024 को थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0 661/2024 धारा 61(2)ख, 318(4), 319(2), 336(3), 338, 340(2), 303(2), 317(2) भारतीय न्याय सहिता व 3(1)/58/72(6) उ0प्र0 उपखनिज परिवहन नियमावली ,4/21 खान व खनिज अधि0 व 3 सार्वजनिक सम्पति क्षति निवारण अधि0 में वांछित अभियुक्त अमरेश गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता नि0 डोरिया थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र करीब 34 वर्ष को पन्नूगंज बाजार के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी।

हिंदुत्व एकता की प्रतीक साध्वी सरस्वती और नूपुर शर्मा की मुलाकात रवींद्र आर्य

हिंदुत्व के लिए एकता और भावी रणनीतियों पर चर्चा का संकेत

संस्कार उजाला

रिपोटः रवींद्र आर्य

दिल्लीः विहिप नेता पूज्य साध्वी सरस्वती और नूपुर शर्मा की मुलाकात में हिंदुत्व और उसके आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता पर चर्चा अहम रही। अगर यह मुलाकात दिल्ली में महान व्यक्तित्व वाले वीर सावरकर की तस्वीर के सामने हुई तो इसका प्रतीकात्मक महत्व भी बढ़ जाता है। महान क्रांतिकारी वीर सावरकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी और हिंदुत्व की विचारधारा के प्रमुख स्तंभों में से एक थे। उनकी तस्वीर के सामने शपथ लेने का मतलब यह हो सकता है कि इन नेताओं ने अपने सिद्धांतों और विचारधारा के प्रति अटूट समर्पण दिखाने की प्रतिबद्धता जताई है। यह मुलाकात हिंदुत्व के लिए एकता और भावी रणनीतियों पर चर्चा का संकेत हो सकती है। साध्वी सरस्वती विश्व हिंदू परिषद (विहिप) से जुड़ी एक प्रमुख हिंदुत्व नेता हैं। वह संगठन के अभियानों और विचारधारा को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। साध्वी सरस्वती मुख्य रूप से अपने मजबूत और स्पष्ट हिंदुत्व वक्तव्यों के लिए जानी जाती हैं और विभिन्न मंचों पर वीएचपी के उद्देश्यों का समर्थन करती हैं। वे एक प्रभावशाली वक्ता और सनातन धर्म के प्रति समर्पित व्यक्ति के रूप में जानी जाती हैं, जो युवा पीढ़ी को हिंदुत्व के प्रति जागरूक करने का काम करती हैं। लेखकः रवींद्र आर्य 9953510133

दोषी कुबेर गोड़ को 3 वर्ष की कैद, साढ़े 7 वर्ष पूर्व 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। साढ़े सात वर्ष पूर्व 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए छेड़छाड़ के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी कुबेर गोड़ को 3 वर्ष की कैद एवं 10 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक चोपन थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता ने 19 अगस्त 2017 को चोपन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 18 अगस्त 2017 को 6:15 बजे शाम को स्कूल से पढ़कर अपने घर वापस लौट रही थी। तभी घर से 500 मीटर दूर रास्ते में चोपन थाना क्षेत्र के कोटा टोला सनायडण्डी गांव निवासी कुबेर गोड़ पुत्र शोभनाथ मिला और उसे गाली देते हुए उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। शोरगुल की आवाज सुनकर कई लोग आ गए तो वह भाग गया। इस तहरीर पर पुलिस ने 19 अगस्त 2017 को एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी कुबेर गोड़ को 3 वर्ष का कारावास एवं 10 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 8 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

मिशन शक्ति फेज-0 5 जनपद सहारनपुर

संस्कार उजाला **नेहा शर्मा**

मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-05) के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं/बालिकाओं को सहारनपुर पुलिस द्वारा किया जागरुक समस्त महिला बीटों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन कर महिलाओं की समस्याओं का किया जा रहा निस्तारण महिलाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर किया जा रहा है महिलाओं का सशक्तिकरण उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में जनपद सहारनपुर के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों/एण्टीरोमियों पुलिस टीम द्वारा गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है । साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर - वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में, घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया जा रहा है ।

गोगा लेडी पब्लिक स्कूल में यातायात नियम संबंधित जागरूकता के लिए एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

संस्कार उजाला **संवाददाता**

सहारनपुर गागलहेडी पब्लिक स्कूल में यातायात नियम संबन्धी जागरूकता के लिए एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम आयी लार्ड कृष्णा इंटरनेशनल एकेडमी की कक्षा 9 की रीति यादव को सम्मानित किया । बाद में समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी के चलते आये दिन सड़क हादसे हो रहे हैं और उनमें बहुमूल्य जिंदगी तबाह हो रही है इसलिए यातायात नियमों के प्रति आम जागरूकता जरूरी है । इस जागरूकता अभियान में रीति यादव की तरह दूसरे छात्रों को भी आगे आना चाहिए । छात्रा की इस उन्नति पर लॉर्ड कृष्णा इंटरनेशनल एकेडमी की प्रबंधन समिति व प्रधानाचार्या श्रीमती प्रतिभा यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्रा को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण, एसपी ट्रैफिक सिद्धार्थ वर्मा, शशि प्रकाश शर्मा, यातायात प्रभारी अमित तोमर, वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे ।

नगर में फिर लगा लंबा जाम, स्कूली बच्चों और श्रमिकों को सबसे ज्यादा हुई दिक्कत।

संस्कार उजालाा ब्यूरो

सोनभद्र। रेणुकूट नगर में रविवार की सुबह से शुरू हुआ ट्रैफिक जाम सोमवार की सुबह तक लगा हुआ है। ओवरलोड वाहनों के कारण आए दिन लग रहे जाम की वजह से स्थिति बाद से बदतर होती जा रही है। 24 घंटे से ज्यादा जाम लगे रहने के कारण सोमवार की सुबह भी स्कूली बच्चों, श्रमिकों और काम पर जाने वालों को बहुत ज्यादा परेशानी हुई। साथ ही लगन की वजह से शादी पार्टी में जाने वाले लोगों को भी सही समय से निर्धारित स्थान पर पहुंचने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 20 किलोमीटर लंबे जाम ने पूरे शहर को ठहराव की स्थिति में ला दिया है। सड़कों पर ओवरलोड वाहनों के खराब होने और जगह जगह ब्रेकडाउन की वजह से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। जाम की वजह से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्रों और कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कई बसें घंटों से जाम में फंसी हुई हैं, जिससे यात्री बेहाल हैं। वही आए दिन लग रहे लगातार जाम की वजह से नगरवासियों में आक्रोश है। सोमवार की सुबह स्कूल के समय लगे जाम के कारण अभिभावकों को ज्यादा परेशानी हुई और उन्हें बच्चों को बाइक से स्कूल तक छोड़ना पड़ा। कुछ स्कूलों में सोमवार से ही परीक्षाएं शुरू हुई थी जिसके कारण स्कूल जाने बच्चों की मजबूरी हो गई थी। वहीं जाम लगे रहने के कारण कुछ स्कूलों में तो मजबूरी में छुट्टी करनी पड़ी क्योंकि स्कूल बसों के जाम में फंसे रहने के कारण बच्चें स्कूल तक पहुंच नहीं सके। जगह-जगह ओवरलोड वाहनों का खराब होना इस जाम का प्रमुख कारण है। भारी वाहनों की खराबी से बार-बार रुकावटें हो रही हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो रही है। पिपरी पुलिस और स्थानीय प्रशासन जाम को खुलवाने की कोशिशों में जूझती दिखी, लेकिन लगातार खराब हो रहे ओवरलोड राख लदे वाहनों के कारण अब तक स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हो पाया है। रविवार की सुबह वन देवी मंदिर के आसपास से शुरू हुआ जाम का सिलसिला रविवार की शाम तक मुर्धवा मोड़ तक पहुंच गया, सोमवार की सुबह यह बीजपुर मार्ग पर और हाथीनाला की ओर जाने वाले रास्ते पर भी बढ़ गया जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई। नगरवासियों ने प्रशासन से आए दिन लग रहे जाम से निजात दिलाने की मांग की है।

पार्टी करने के दौरान पानी में गिरकर हुई थी युवक की मौत 60 घंटे बाद शव हुआ बरामद।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में कई सालों से बंद पड़ी खादान में भरे पानी में फिसल कर गिर जाने की वजह से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। जिसका शव 60 घण्टे बाद अपने आप पानी से उतराया देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने पानी से शव को बाहर निकाला। इस दौरान मौके पर सूचना मिलते ही परिजन भी पहुंच गए। मिली जानकारी के अनुसार अशोक सिंह उर्फ छोटू (25) पुत्र धर्मजीत निवासी न्यू कॉलोनी अपने भाइयों और मित्रों के साथ बंद पड़ी खदान स्थित खंडहर नुमा कमरे में शुक्रवार देर रात पार्टी कर रहे थे इस दौरान पैर फिसलने से अशोक सिंह खादान में भरे गहरे पानी में गिरकर समा गए। जिस वजह से उनकी मृत्यु हो गई। साथ में मौजूद भाई ने परिजनों सहित पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने खोजबीन जारी की लेकिन मृत व्यक्ति का पता नहीं चला। शनिवार को फिर से शव की तलाश कुशल गोताखोरों द्वारा की गई लेकिन मृतक का शव बरामद नहीं किया जा सका। इसके बाद एसडीआरएफ टीम को सूचना दी गई लेकिन एसडीआरएफ टीम के हाथ भी खाली रहे। लगभग 60 घण्टे बाद अशोक का शव अपने आप पानी से उतरा गया। शव देखने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। वही पानी से बाहर निकालने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज अग्रिम कार्रवाई में जुट गई। लोगों का कहना है कि बोल्डर खदान में जब काम बंद है तो नियमतः खनन के दौरान हुए खड्डों को क्यों नहीं भरा गया। संबंधित अधिकारियों ने इस नियम का पालन क्यों नहीं कराया। अगर नियम और कायदे के अनुसार खनन क्षेत्र में अधिकारी ध्यान दे तो आकाल मृत्यु से बचा जा सकता है।

जिलाधिकारी के निदेर्शों के क्रम में नगर क्षेत्र में 06 ई- बसों का संचालन शुरू,अब ई रिक्शा, टेंपो के किराये की तरह सिटी बस का किराया कम करते हुए रू0 20.00

संस्कार उजाला

शाहजहाँपुर/ जिलाधिकार धमेन्द्र प्रताप सिंह के निदेर्शों के क्रम जनपद के नगर क्षेत्र हेतु 06 बसों का संचालन शुरू हो गया है। शाहजहांपुर शहर के अंतर्गत समयबद्ध संचालन हेतु 08 वातानुकूलित बसों को लगाया गया है। जिलाधिकारी ने बरेली मोड़ पर नगर बस यात्री शेल्टर का स्थीलय निरीक्षण किया शेल्टर के आसपास अवैध अतिक्रमण को हटाये जाने के सख्त निर्देश दिये जिससे ई - बस संचालन हेतु किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो। इसी तरह प्रत्येक स्टॉपेज विशेषकर नगर बस यात्री शेल्टर रोडवेज बस स्टेशन एवं महिला थाना शेल्टर के आसपास अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने हेतु जिलाधिकारी ने निर्देश दिये। जनता की मांग के दृष्टिगत ई - बस का संचालन बरेली मोड़ से रेलवे स्टेशन तक दिनांक 03.12.2024 से प्रारंभ कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने निदेर्शानुसार सिटी बस का किराया 50 प्रतिशत कम कर दिया गया है अब ई रिक्शा, टेंपो के किराये की तरह सिटी बस का किराया कम करते हुए रू0 20.00 कर दिया गया है, ताकि शहर के निवासियों को ई बसों से अधिक से अधिक यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो सके। शहर के मुख्य मार्ग बरेली मोड़ से केरूगंज, बेरी चौकी ,खिरनी बाग, कचहरी, बस स्टेशन, महिला थाना होते हुए रेलवे स्टेशन तक केवल ई-बस का ही संचालन कराया जाएगा जिससे शहर के निवासियों को जाम की स्थिति का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की जयंती के पूर्व संध्या पर अधिवक्ता दिवस मनाया गया

संस्कार उजालाा

अरविंद गुप्ता ब्यूरो चीफ सोनभद्र।

सोनभद्र । 2 दिसंबर 2024 डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा कचहरी परिसर में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की मूर्ति पर माला अर्पण कर जयंती के अवसर पर डी बी ए के महामंत्री मोहम्मद सलीम कुरैशी एडवोकेट की अध्यक्षता में अधिवक्ता दिवस मनाया गया! इस अवसर पर डी बी ए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ अतुल प्रताप पटेल एड ने कहा कि डॉ० राजेन्द्र प्रसाद स्वयं एक विद्वान अधिवक्ता थे। वह भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी अपना योगदान दिया था। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। उन्होंने 12 वर्षों तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने के पश्चात वर्ष 1962 में अपने अवकाश की घोषणा की। सम्पूर्ण देश में अत्यन्त लोकप्रिय होने के कारण उन्हें राजेन्द्र बाबू या देशरत्न कहकर पुकारा जाता था। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 1962 में उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ता दिवस पर एसोसिएशन की तरफ से मांग किया की 18 से 80 साल के सभी अधिवक्ताओं का सामूहिक बीमा कराया जाएगा। अधिवक्ता कल्याण निधि की राशि 10 लाख करने व अधिवक्ताओं का पेंशन देने की मांग भी उठाई गई। इस अवसर पर राजेश यादव एड, वी पी सिंह एड, रियाज खान एड, प्रबोध कुमार सिंह एड, सचिन पटेल एड, अभिषेक कुमार मौर्य एड, सत्यम शुक्ला एड, हरि प्रसाद एवं सूरज यादव आदि लोग उपस्थित थे !

पन्नूगंज पुलिस को मिला बड़ी सफलाता, गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित दो नफर शातिर अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार।

संस्कार उजाला

अरविंद गुप्ता ब्यूरो चीफ सोनभद्र।

सोनभद्र । पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा अपराध एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में थाना पन्नूगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-155/2024 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्तगण 1.राजन उर्फ राजा अली पुत्र तैय्यब अली उम्र लगभग 28 वर्ष निवासी ग्राम सेमरिया थाना रायपुर जनपद सोनभद्र, 02. संतोष मौर्या पुत्र स्व0 अवध बिहारी मौर्या उम्र लगभग 34 वर्ष निवासी ग्राम बभनियांव थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र को दिनांक 02.12.2024 को कर्मनाशा पुल के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है ।

जिलाधिकारी ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाए

मरीजो को बेहतर स्वास्थ्य सेवाए उपलब्ध कराने हेतु किया निर्देशित।

संस्कार उजाला

जनपद शाहजहांपुर

शाहजहाँपुर / जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने राजकीय स्वसाशी महा विद्यालय जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाए देखी। इस दौरान उन्होने इमरजेंसी वार्ड, ओषधि वितरण कक्ष, लाभार्थी आयुषमान कार्यालय, ओपीडी एवं हेल्प डेस्क सहित साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने मरीजों से वार्ता कर उनका हाल भी जाना। जिलाधिकारी ने औषधि वितरण कक्ष की लाइन मे लगे लोगो से

जानकारी ली कि उन्हे कोई असुविधा तो नही। लाभार्थी आयुषमान कार्यालय में प्रतिदिन बनाए जाने वाले आयुषमान कार्ड के विषय में पूछा तथा प्रतिदिन कार्ड बनाये जाने की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिये। हेल्प डेस्क पर मरीजो की सहायता करने तथा उन्हे जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। चिकित्सालय में बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने हेतु निर्दशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जाए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी मरीज को बेड के लिए प्रतीक्षा न करना पड़े यह भी सुनिश्चित किया जाए, ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर सभी मरीजों से अच्छा व्यवहार करें तथा उन्हें आवश्यक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर नियमित रूप से भर्ती मरीजो से उनके स्वास्थ्य में सुधार की स्थिति की जानकारी अवश्य लें। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए कि यदि किसी मरीज से दुर्व्यवहार या लापरवाही बरतने की शिकायत आती है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार, मेडिकल कालेज के प्रधानचार्य राजेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक श्री नेपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

रावण मोह मेघनाथ काम और कुंभकरण अहंकार का स्वरूप है: योगेश दीक्षित

संस्कार उजाला

शाहजहांपुर। मदनापुर क्षेत्र के ग्राम बरुआ पट्टी सनायक में देवी मंदिर परिसर में चल रही श्री रामकथा राम राज्याभिषेक के साथ विश्राम हुई। कथा व्यास योगेश दीक्षित जी महाराज ने बताया राम रावण युद्ध 32 दिन तक चला। राम जी ज्ञान लक्ष्मण वैराग्य सीता भक्ति हैं ।उसी प्रकार रावण मोह मेघनाथ काम और कुंभकरण अहंकार का स्वरूप है। जिस समय राम जी के युद्ध मंत्री विभीषण ने राम जी को पैदल और रावण को रथ पर सवार देखा तो विभीषण अधीर हो गए तभी राम जी ने विभीषण

को अपने धर्म रथ के बारे में बताया तत्पश्चात देवराज इंद्र ने अपने सारथी के द्वारा तेजपुंज रथ को भेजा। जिस पर सवार होकर राम जी ने रावण से युद्ध किया विभीषण के द्वारा रावण की नाभि में अमृत की जानकारी होने पर राम जी ने रावण के नाभि का अमृत सुखाया तत्पश्चात रावण का संघार किया। विभीषण को लंका का राजा बनाया गया। समस्त वानर वीरों के साथ राम लक्ष्मण सीता जी अयोध्या में आए अयोध्या को दीप मालिकाओं से सजाया गया ।सर्व सम्मति से वशिष्ठ जी के द्वारा राम जी का राज्याभिषेक किया गया ।तत्पश्चात हवन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीपाल सिंह हिंदपाल सिंह देवेंद्र पाल सिंह राजेश वर्मा भूपेंद्र सुमन पाल अनिल राजेंद्र कमलेश आदि श्रद्धालुओं ने कथा को श्रवण किया।

शान्ति व्यवस्था के लिए नामित किये गये मजिस्ट्रेट हिन्दू रक्षा समिति द्वारा धरना व रैली प्रस्तावित

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच अपर जिला मजिस्ट्रेट गौरव रंजन श्रीवास्तव ने बताया कि हिन्दू रक्षा समिति द्वारा सूचित किया गया है कि बांग्लादेश में हो रहे हिन्दू उत्पीड़न के विरूद्ध 03 दिसम्बर 2024 को हिन्दू समाज द्वारा एक वृहद जनआंदोलन प्रस्तावित है। जिसमें लगभग 2000 लोगों के प्रतिभाग करने की संभावना है। उक्त हेतु हिन्दू समाज के लोग छावनी चौराहा के पास गेंदघर में एकत्र होकर छावनी चौराहा, घण्टाघर चौक, पीपल तिराहा एवं गुरूद्वारा होते हुए धरना स्थल पर पहुंच कर प्रेस-वार्ता के उपरान्त जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जायेगा। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि उक्त रैली/धरना कार्यक्रम से आमजनमानस को किसी तरह की परेशानी न हो और कानून व्यवस्था एवं शान्ति बनी रहे, इस हेतु जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार नगर मजिस्ट्रेट को ओवर आल प्रभारी बनाया गया है। जबकि गेंदघर से धरना स्थल तक के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट सदर व तहसीलदार सदर, राजकीय इण्टर कालेज से छावनी चौराहा तक उपायुक्त श्रम रोजगार, छावनी चौराहा से गांधी इण्टर कालेज तक उप निदेशक कृषि, गांधी इण्टर कालेज से घंटाघर तक जिला गन्ना अधिकारी, घंटाघर से पीपल तिराहा जिला उद्यान अधिकारी, पीपल तिराहा से धरना स्थल तक सहायक श्रमायुक्त तथा धरना स्थल पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट-प्रथम की ड्यूटी लगायी गयी है।

आमजन के मेहरों पर मुस्कान लाने में सफल रहा सेवा से संतृप्तिकरण अभियान

लाभार्थियों को वितरित किये गये स्वीकृति पत्रअभियान के द्वितीय चरण का हुआ आगाज

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से जिले के प्रत्येक पात्र ग्रामवासी को संतृप्त किये जाने तथा जनसमस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी की अभिनव पहल पर संचालित किये जा रहे सेवा से संतृप्तिकरण अभियान के द्वितीय चरण का आज ब्लाक चित्तौरा की ग्राम पंचायत अलिया बुलबुल में भव्य शुभारम्भ हुआ। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र व नगर मजिस्ट्रेट व अन्य अधिकारियों के साथ माँ सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारम्भ किया। जिलाधिकारी ने गऊमाता का पूजन कर 02 परिवारों को मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अन्तर्गत गोदान भी किया। इस अवसर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय, रिसिया जमाल की बालिकाओं द्वारा सरस्वती वन्दना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। शिविर का शुभारम्भ करने के उपरान्त जिलाधिकारी ने अन्य अधिकारियों के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास, कृषि, शिक्षा, पशुपालन, राजस्व, समाज कल्याण, अल्पसंख्यक, दिव्यांगजन, कौशल विकास, पंचायती राज, खाद्य एवं रसद, श्रम, बैंक, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, आईसीडीएस सहित अन्य विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का निरीक्षण करते हुए विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिल सके इसके लिए सभी अधिकारियों को पूर्ण मनोयोग से प्रयास करना होगा।

उन्होंने अब तक विभिन्न योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को सम्बन्धित योजनाओं के लाभ शत-प्रतिशत आच्छादित किये जाने के निर्देश भी दिये। शिविर में विभागवार लगाये गये स्टालों के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कृषि, विद्युत एवं आपूर्ति विभागों द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लाभार्थियों के संतृप्तिकरण में शिथिलता पाये जाने तथा अभिलेखों का रख-रखाव समुचित ढंग से न किये जाने पर सम्बन्धित विभागों के ब्लाक स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वेतन रोकने के साथ-साथ सम्बन्धित के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही किये जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने शिविर के दौरान उपस्थित महिलाओं व बच्चों से वार्ता करते हुए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा परिषदीय विद्यालय अलिया बुलबुल के बच्चों से उन्हें मिड-डे-मील, फल-दूध इत्यादि प्राप्त होने के सम्बन्ध में पूछने पर बच्चों द्वारा फल प्राप्त न होने के बारे में जानकारी दी। जिस पर डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्राम प्रधान के विरूद्ध जांचोपरान्त कार्यवाही किये जाने का निर्देश दिया। अलिया बुलबुल में आयोजित शिविर के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा सीडीओ व अन्य अधिकारियों के साथ 05 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई, 05 बच्चों का अन्नप्रासन, 10 महिलाओं को बेबी किट, 05 लोगों का आयुष्मान कार्ड, 03 टीवी मरीजों को पोषण दलिया किट, 02 कुष्ठ रोगियों को जूता किट, 09 नये जोड़ों को शगुन किट, 02 लोगों को फार्मर रजिस्टर, 03 लाभार्थियों को किसान निधि, 05 लोगों का राशन कार्ड, 02 महिला स्वयं सहायता, 02 लाभार्थियों को सामुदायिक निधि, 02 को पीसीएल, 05 महिलाओं को वृद्धा पेंशन, 01 को विकलांग पेंशन, 03 महिलाओं को विधवा पेंशन, 05 लाभार्थियों को पीएम आवास, 01 लाभार्थियों को सीएम आवास, मनरेगा के तहत 05 लाभार्थियों को जाब कार्ड तथा 05 लाभार्थियों को शौचालय हेतु स्वीकृति प्त्र वितरण किया गया।

संक्षिप्त डायरी

शहर के नौजवान शायर आतिफ गोंडवी दुबई में पढ़ेंगे इंटरनेशन मुशायरा

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर

गोंडा शहर के जाने माने नौजवान शायर आतिफ गोंडवी 7 दिसंबर 2024 को दुबई के शेख राशिद ऑडिटोरियम में इंटर नेशनल मुशायरा पढ़ेंगे, जहां अलग अलग देशों से शायर शिरकत करेंगे। आपको बताते चलें कि 17 मई 2022 को विश्व स्तर की संस्था 'अंदाजे बयाँ और (AEBA संस्थापक रेहान सिद्दीकी, शाजिया किदवई) ने भारत में राष्ट्रीय स्तर पर एक शायरों का कंपीटिशन टैलेंट हंट नाम से लखनऊ में कराया था, जिसके जज मशहूर शायर अजहर इकबाल और बॉलीवुड के शायर हसन कमाल थे। आतिफ गोंडवी ने इस प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया था। पहले तीन विजेता को इनआम देने के साथ उन्हें दुबई में मुशायरा पढ़ाया जाना था। जिसके तहत शायर आतिफ गोंडवी 7 दिसंबर 2024 को दुबई के मुशायरे में काव्यपाठ करेंगे।

आयत क्लासिक जिम में बॉडी कंपटीशन का किया आयोजन

संस्कार उजाला

जहांगीरपुर(सुहैल खान)

जेवर/ हाईटेक जिला गौतम बुध नगर के कस्बा जेवर में दिनांक 1 दिसंबर 2024 को आयत क्लासिक जिम में बॉडी कंपटीशन आयोजित किया गया था बॉडी कंपटीशन में बुलंदशहर अलीगढ़ मथुरा हाथरस अन्य गैर जनपदों एवं हरियाणा से पहलवानों ने पहुंचकर बॉडी कंपटीशन में हिस्सा लिया और सैकड़ो दर्शकों बॉडी कंपटीशन का फूल आनंद लिया कंपटीशन कंपटीशन की फाइनल पारी में प्रथम स्थान शब्बीर अहमद निवासी शेरगढ़ जिला मथुरा को 3100 रु. नगद एवं एक ट्रॉफी सर्टिफिकेट एवं द्वितीय स्थान सरफराज आलम निवासी शेरगढ़ जिला मथुरा को 2100 रु.नगद ट्रॉफी सर्टिफिकेट एवं तृतीय स्थान सोहिल कुरैशी निवासी टप्पल जिला अलीगढ़ को 1100 रु.नगर एवं भूपेंद्र एक ट्रॉफी सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया आयत क्लासिक जिम के मैनेजर राशिद खान ने बताया की बॉडी कंपटीशन जिम के स्टूडेंटों की इच्छा थी उसी के अनुसार कराया गया है काफी पहलवानों में हौसला बड़ा है कंपटीशन मौके पर शकीर सैफी मोहम्मद पवार सोनू कुरेशी टप्पल जीशान कुरैशी मोहम्मद ओवैस आमिर लादेन हाशिम पंकज रितेश एमएफ कुरैशी सुहैल चौधरी राकेश कश्यप आदि लोग मौजूद रहे आयत क्लासिक जिम के मैनेजर राशिद खान ने बताया कि हर महीने बॉडी कंपटीशन आयोजित कराया जाएगा

परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार का खुला खेल जारी, ऑफिस में दलालों का राज

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच। कुछ समय पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों की तत्परता के बाद एक बार फिर परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते नजर आ रहे हैं।पिछले कुछ समय से यह विभाग विवादों के केंद्र में है।हाल ही में विभाग में कार्यरत एक कर्मचारी द्वारा सरकारी धनराशि में हेराफेरी का मामला सामने आया था। यह घटना अभी ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि विभाग में दलालों और अधिकारियों के बीच सांठगांठ के आरोप लगने शुरू हो गए हैं। कुछ समय पहले बहराइच परिवहन विभाग में कार्यरत बाबू अमित तिवारी द्वारा कम्पाउंडिंग के तहत जमा किए जाने वाले पैसे में हेराफेरी का मामला सामने आया था। सूत्रों के अनुसार यह धनराशि एक महीने तक जमा नहीं की गई थी,जिससे विभाग के कामकाज पर सवाल खड़े हो गए थे।इस मामले ने विभाग की पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर कई गंभीर चिंताएं पैदा की थीं।कम्पाउंडिंग शुल्क का सही समय पर जमा न होना दशार्ता है कि विभागीय कार्यप्रणाली में भारी लापरवाही बरती जा रही है। जब सरकारी धन का यह हाल है तो आम जनता की फाइलें और उनके काम कैसे निपटाए जाते होंगे, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।अब नया मामला विभागीय अधिकारियों से जुड़ा बताया जा रहा है। जिन पर आरोप है कि उन्होंने विभाग को दलालों के हवाले कर दिया है। सूत्र बताते हैं कि दलालों को विभाग के अंदर बैठने की छूट दी

गई है, और वे वहीं से अपने गोरखधंधे को अंजाम देते हैं।मामला इतना संगीन है कि हर फाइल के लिए एक निश्चित रेसेटिंगर तय होना बताया जा रहा है। विभागीय कार्यवाही को गति देने के नाम पर दलालों द्वारा आम नागरिकों से मोटी रकम वसूली जाती है। इस प्रक्रिया में विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत की भी चर्चा आम है।उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने का दावा जरूर किया है। लेकिन बहराइच परिवहन विभाग में हो रही घटनाएं इस नीति पर कई सवाल खड़ा करती नजर आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, विभाग में हर फाइल के लिए अलग-अलग दरें तय की गई है।दलाल खुलेआम विभागीय कार्यालय में बैठकर अपना काम करते हैं।जबकि अधिकारी इन गतिविधियों पर जानबूझकर चुप्पी साधे मामले को नजरअंदाज कर परोक्ष रूप से भ्रष्टाचार को खुलेआम बढ़ावा दे रहे हैं।जिलेवासी भी उक्त पूरे प्रकरण से आहत हैं।विभाग में फैले भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते आम जनता को अपनी फाइलें पास करवाने में न केवल आर्थिक बल्कि मानसिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है।स्थानीय कई लोगों का कहना है कि परिवहन विभाग के अंदर का यह खेल लंबे समय से चल रहा है, लेकिन अब पानी सिर के ऊपर जा चुका है।

उनका यह भी कहना है कि जब तक विभाग में अंदर बैठे दलालों और उनकी सरपरस्ती करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही नहीं होती, तब तक स्थिति में सुधार संभव नहीं है।

देखा जाय तो परिवहन विभाग का यह मामला सिर्फ एक विभागीय समस्या नहीं है, बल्कि यह भ्रष्टाचार के उस व्यापक नेटवर्क की ओर इशारा करता है जो जनता के अधिकारों को कुचल रहा है।जिसमें सरकार को भी इस मुद्दे पर तत्काल ध्यान देना चाहिए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।इस विभाग में आम जनता के विश्वास को बहाल करने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही लाने की सख्त जरूरत है। क्या सरकार इस चुनौती को स्वीकार करेगी, या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा ?इसका जवाब अभी समय के गर्भ में है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के निर्देशन में थाना बकेवर पर गठित मिशन शक्ति टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति' फेज-5 अभियान व ऑपरेशन जागृति।

☛महिलाओं/बालिकाओं से वार्ता कर ऑडियो/ वीडियो/ पंपलेट के माध्यम से विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों एवं महिला केन्द्रित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए स्वयं की सुरक्षा हेतु चौपाल लगाकर किया जागरुक ।

संस्कार उजाला

संवाददाता मनोज पाठक इटावा

आज दिनांक 02.12.2024 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में आयोजित ह्लमिशन शक्तिह्व पंचम

चरण के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में समाज में नारी सुरक्षा व सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु थाना बकेवर की मिशन शक्ति टीम द्वारा नगला खादर पर पहुंचकर चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं/छात्र-छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ-साथ उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्बरो 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076झमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइन, 102-स्वास्थ्य सेवा,1930- साइबर क्राइम तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया गया ।

सेक्टर 62 स्थित एवियर एजुकेशनल हब कॉलेज ने फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया।

संस्कार उजाला

सेक्टर 62 स्थित एवियर एजुकेशनल हब कॉलेज ने फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता और संस्थान के चेयरमैन संदीप सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस आयोजन में डीजे वायला के लाइव प्रदर्शन, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और एक भव्य फैशन शो ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में बीसीए के मोहित मिस्टर फ्रेशर

2024, बीए की सानिया मिस फ्रेशर 2024, बीसीए के सचिन मिस्टर हैंडसम 2024, बीसीए की दुर्गा मिस गॉर्जियस 2024 बनी। जिला अध्यक्ष श्री मनोज गुप्ता जी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि एवियर एजुकेशनल हब हमेशा से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने संस्थान की प्रशंसा करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक बताया। कॉलेज अध्यक्ष श्री संदीप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान ने अपनी नवीन शिक्षण पद्धतियों, शैक्षणिक कौशल, और जीवंत छात्र समुदाय के माध्यम से निरंतर प्रगति की है। उन्होंने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कॉलेज बोर्ड सदस्य अमरेश कुमार, प्रबंध निदेशक कनिका सिंह, महानिदेशक प्रोफेसर एस.के. शुक्ला, और कार्यकारी निदेशक डॉ. अशमिंदर सिंह भी उपस्थित रहे।

हमारा शिक्षालय की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया

संस्कार उजाला

राष्ट्र सेविका समिति द्वारा आयोजित 5 दिवसीय अभ्यास वर्ग में नोएडा के निःशुल्क शिक्षा केंद्र में पढ़ने वाली छात्राओं ने आत्म रक्षा की विभिन्न तकनीकों पर बुनियादी प्रशिक्षण दिया। इस आयोजन का उद्देश्य शिक्षालय की सुपरस्टार्स को आत्म निर्भर एवं आत्मविश्वासी बनाना था, जो कि श्रीमती विद्या रावत जी ने बखूबी करके दिखाया। हमारा शिक्षालय संस्था के अध्यक्ष आशीष शर्मा जी का कहना है कि हमें देश की हर एक बेटी को अपने सम्मान के लिए लड़ना एवं निडर होकर मुसीबत का सामना करना सिखाना चाहिए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बैंकों/वित्तीय संस्थानों का किया गया निरीक्षण ।

संस्कार उजाला

संवाददाता मनोज पाठक इटावा

दिनांक 02.12.2024 को बैंकों की सुरक्षा के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में जनपद के सभी थानों की पुलिस द्वारा विभिन्न बैंक शाखाओं व वित्तीय संस्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान बैंक शाखाओं, एटीएम एवं ग्राहक सेवा केन्द्रों के अंदर-बाहर व आसपास खड़े संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग कर पूछताछ की गई। बैंक प्रबंधक से सीसीटीवी कैमरा, सायरन व सुरक्षागार्ड आदि के बारे में जानकारी ली गयी। बैंक ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने हेतु निर्देश दिये गये।

ट्रम्प सरकार में भारतवंशी काश पटेल होंगे एफबीआई डायरेक्टर

पिछले कार्यकाल में इंटेलिजेंस में काम कर चुके ; गुजराती परिवार से ताल्लुक रखते हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जांच एजेंसी 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के अगले डायरेक्टर के लिए भारतवंशी कश्यप काश पटेल के नाम की घोषणा की है। ट्रम्प ने इसकी घोषणा शनिवार को उनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए की। इस पोस्ट में ट्रम्प ने काश पटेल के पिछले कामों की तारीफ भी की। इससे पहले काश पटेल ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान रक्षा मंत्रालय में चीफ ऑफ स्टाफ, नेशनल इंटेलिजेंस में डिप्टी डायरेक्टर और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में आतंकवाद विरोधी कार्यक्रमों के सीनियर डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं।

काश पटेल को बताया अमेरिका फर्स्ट फाइटर : ट्रम्प ने कहा कि मुझे गर्व है कि कश्यप काश पटेल एफबीआई के अगले डायरेक्टर के तौर पर काम करेंगे। काश एक शानदार वकील, इन्वेस्टिगेटर हैं। काश पटेल की तारीफ करते हुए ट्रम्प ने उन्हें 'अमेरिका फर्स्ट' वाला फाइटर बताया। ट्रम्प ने कहा कि काश पटेल ने अपना करियर भ्रष्टाचार को उजागर करते, न्याय

और अमेरिकी लोगों की रक्षा करते हुए बिताया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में बढ़ते क्राइम रेट, क्रिमिनल गैंग और बॉर्डर पर होने वाली मानव और ड्रग तस्करी जैसे अपराधों से निपटने के लिए काश पटेल को ये जिम्मेदारी दी गई है।

गुजराती परिवार में जन्मे, माता-पिता युगांडा से भागे : काश पटेल भारतीय प्रवासी के बेटे हैं। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। काश पटेल के माता-पिता युगांडा के शासक ईदी अमीन के देश छोड़ने के फरमान से डरकर 1970 के दशक में भागकर कनाडा के रास्ते अमेरिका पहुंचे थे। 1988 में पटेल के पिता को अमेरिका की नागरिकता मिलने के बाद एक एरोप्लेन कंपनी में नौकरी मिली। 2004 में कानून की डिग्री हासिल करने के बाद जब पटेल को किसी बड़े लॉ फर्म में नौकरी नहीं मिली तो उन्होंने एक सरकारी वकील के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। हालांकि ड्रीम जॉब के लिए उन्हें 9 साल तक इंतजार करना पड़ा। काश पटेल 2013 में वॉशिंगटन में न्याय विभाग में शामिल हुए। यहां तीन साल बाद 2016 में पटेल को खुफिया मामले से जुड़ी एक स्थायी समिति में कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस विभाग के चीफ डेविड नून्स थे, जो ट्रम्प के कट्टर सहयोगी थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति रहने के दौरान ट्रम्प ने 2019 में जो बाइडन के बेटे के बारे में जानकारी जुटाने के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाया था। इस वजह से विपक्ष उन पर नाराज हो गया। किसी कानूनी पचड़े से बचने के लिए ट्रम्प ने इस मामले में मदद के लिए सलाहकारों की एक टीम बनाई। इसमें काश पटेल का भी नाम था। तब उनका नाम देख हर किसी को हैरानी हुई थी। काश पटेल 2019 में ट्रम्प प्रशासन से जुड़ने के बाद तरक्की की सीढ़ियां चढ़ते गए। ट्रम्प प्रशासन में वे सिर्फ 1 साल 8 महीने रहे, लेकिन सबकी नजरों में आ गए। मैगजीन द अटलांटिक की एक रिपोर्ट में पटेल को ट्रम्प के लिए कुछ भी करने वाला शख्स बताया गया है। ट्रम्प प्रशासन में जहां पहले से लगभग सभी लोग ट्रम्प के वफादार थे, वहां भी उन्हें ट्रम्प के सबसे वफादार लोगों में गिना जाने लगा था।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने कोंडोर-एफकेए रडार सैटेलाइट किया लांच

व्लादिवोस्तोक, एजेंसी। रूस ने शनिवार सुबह देश के सुदूर पूर्व की वोस्टोचनी कॉस्मोड्रोम से सोयुज-2.1ए रॉकेट को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। रॉकेट ने कोंडोर-एफकेए नंबर 2 रडार सैटेलाइट को लक्षित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्नत रडार प्रौद्योगिकी से लैस, कोंडोर-एफकेए उपग्रहों ने ऑल-वेदर, राउंड-द-क्लॉक अर्थ ऑब्जर्वेशन के लिए देश को सक्षम बना दिया है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस ने एक बयान में घोषणा की, दूसरा रडार सैटेलाइट, कोंडोर-एफकेए, ऑर्बिट तक पहुंच गया है! लॉन्च सिस्टम ने योजना के अनुसार काम किया। ऑप्टिकल उपग्रहों के विपरीत, कोंडोर-एफकेए श्रृंखला बादलों के पार से भी धरती पर नजर रख सकती है और अंधेरे में काम कर सकती है। अपनी इस खूबी की वजह से ये सेटेलाइट विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए बहुत सक्षम हैं। इन कार्यों में मैपिंग, पर्यावरण निगरानी, प्राकृतिक संसाधन अन्वेषण, और मार्गदर्शक जहाजों को बर्फ से ढंके मार्गों पर गाइड करना शामिल है, जैसे कि उत्तरी ध्रुवीय रातों के दौरान समुद्री मार्ग में। एनपीओ माशिनोस्ट्रोयेनिया डिजाइन ब्यूरो द्वारा विकसित कोंडोर श्रृंखला के इन सेटेलाइटों ने अपनी स्थापना के बाद से लगातार प्रगति की है। पहले दो उपग्रहों को 2013 और 2014 में लॉन्च किया गया था, जबकि कोंडोर-एफकेए नंबर 1 ने 2023 में कक्षा में प्रवेश किया था। वर्तमान में दो और उपग्रह निर्माणाधीन हैं, जिसमें तीसरा कोंडोर-एफकेए 2026 में लॉन्च किया जाएगा। प्रत्येक कोंडोर-एफकेए उपग्रह का वजन लगभग 1,050 किलोग्राम होता है और इसकी लाइफ पांच साल की होती है।

सूडान के गांवों पर अर्धसैनिक बलों के हमले में 12 की मौत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के गेजिरा राज्य के गांवों पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमलों में कम से कम 12 लोग मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, स्थानीय स्वयंसेवी समूह निदा अल-वसत प्लेटफार्म ने कहा कि आरएसएफ ने गुरुवार को पश्चिमी गेजिरा के अल-महेरिबा क्षेत्र में आठ गांवों को निशाना बनाया। इस दौरान वहां के निवासियों पर भारी गोलीबारी और हमले किए। समूह ने एक बयान में कहा, हमलों और गोलाबारी में अब तक मरने वालों की संख्या 12 हो गई है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। वहीं, आरएसएफ ने आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले 24 नवंबर को सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) की छठी इन्फैंट्री डिवीजन ने बताया था कि पश्चिमी सूडान में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में कम से कम 15 नागरिक मारे गए थे। जबकि, 20 अन्य घायल हो गए थे। डिवीजन ने एक बयान में कहा था कि आरएसएफ मिलिशिया ने उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी अल फशेर के नैवाशा बाजार पर 23 नवंबर की शाम को तीन होवित्जर तोपों से हमला किया गया। डिवीजन ने आरएसएफ पर बाजारों और सभा स्थलों पर गोलीबारी करके नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, 10 मई से अल फशेर में एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक झड़पें चल रही हैं। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट के ताजा अपडेट के अनुसार, इस घातक संघर्ष में अब तक 27,120 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 14 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

पीएम जॉर्जिया मेलोनी की नीतियों के विरोध में लाखों कर्मचारियों ने की हड़ताल

रोम, एजेंसी। इटली में लाखों श्रमिकों ने प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के 2025 के बजट, महंगाई और कम मजदूरी के विरोध में आठ घंटे की हड़ताल की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इटली के दो मुख्य ट्रेड यूनियनों, इटालियन जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (सीजीआईएल) और इटालियन लेबर यूनियन (यूआईएल) की तरफ से इस हड़ताल का आयोजन किया गया था। इस हड़ताल में कई क्षेत्रों के कर्मचारी शामिल थे। हालांकि इसमें ट्रेन कर्मचारी शामिल नहीं थे, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में एक अलग विरोध प्रदर्शन किया था। परिवहन मंत्रालय के आदेश के के चलते स्थानीय परिवहन, नौका और वायुमार्ग क्षेत्र के कर्मचारियों ने आठ घंटे के बजाय को चार घंटे तक काम रोका। इसके बावजूद, हड़ताल में महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई। आयोजकों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों के लगभग 70 प्रतिशत कर्मचारी कार्रवाई में शामिल हुए। इटली की प्रमुख एयरलाइन, आईटीए को 18 अंतरराष्ट्रीय रूट समेत 109 उड़ानें रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सीजीआईएल के अनुसार, रोम, मिलान, ट्यूरिन, बोलोग्ना और नेपल्स सहित कम से कम 43 शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और रैलियां हुईं, जिनमें अनुमानित 5,00,000 लोग शामिल हुए। बजट का उद्देश्य इटली के उच्च सार्वजनिक ऋण संबंधी दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान करना है।

इस्कॉन का दावा- बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया, केंद्र में तोड़फोड़ की गई

कोलकाता/ढाका, एजेंसी। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमलों की एक श्रृंखला के बीच बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया है, और इस्कॉन केंद्र में तोड़फोड़ की गई। यह घटनाक्रम इस सप्ताह की शुरुआत में देशद्रोह के आरोप में एक अन्य भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन के बीच हुआ है। युवा पुजारी, जिसकी पहचान श्याम दास के रूप में हुई है, को कथित तौर पर उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह जेल में चिन्मय दास से मिलने गया था। राधारमण दास ने हैशटैग के साथ ट्वीट किया, क्या वह आतंकवादी जैसा दिखता है? निर्दोष इस्कॉन ब्रह्मचारियों की गिरफ्तारी बेहद चौंकाने वाली और परेशान करने वाली है। हालांकि, श्याम दास की गिरफ्तारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अगस्त में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से हिंदू समुदाय के सदस्यों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, 200 से अधिक मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। इस सप्ताह, बांग्लादेश के अधिकारियों ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया, जिसमें चिन्मय कृष्ण दास का खाता भी शामिल है। यह उच्च न्यायालय में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका के साथ मेल खाता है, जिसमें अटॉर्नी जनरल ने संगठन को धार्मिक कट्टरपंथी संगठन कहा है। हालांकि, अदालत ने वैश्विक संगठन पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की गूंज सीमा पार भी हुई है, कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के बाहर धार्मिक समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन देखा गया। अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि हिंदुओं के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना बांग्लादेशी सरकार की जिम्मेदारी है।

बांग्लादेश में इंटरनेट सेवाएं 2 दिसंबर को बाधित रहेंगी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 2 दिसंबर की रात इंटरनेट सेवाएं तीन घंटे के लिए बाधित रहेंगी। यह रुकावट देश की पहली सबमरीन केबल की मरम्मत के कारण होगी। देश की पहली सबमरीन केबल प्रणाली, जिसे एसईए-एमई-डब्ल्यूई4 कहा जाता है, कॉक्स बाजार जिले में स्थित है, जो राजधानी ढाका से लगभग 400 किमी दक्षिण-पूर्व में है। बांग्लादेश सबमरीन केबल्स पीएलसी के अनुसार, 2 दिसंबर को सुबह 3:00 बजे से लेकर 5:59 बजे तक मरम्मत का काम भारत के चेन्नई लैंडिंग स्टेशन और सिंगापुर के टुआस लैंडिंग स्टेशन के पास किया जाएगा। इस दौरान इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। बांग्लादेश में इंटरनेट बैंडविड्थ मुख्य रूप से दो सबमरीन केबल्स के जरिए आती है, जो गहरे समुद्र से होकर गुजरती हैं। पहली केबल दक्षिण-पूर्वी कॉक्स बाजार में और दूसरी केबल बांग्लादेश के पातुआखाली जिले के कुआकाटा में स्थित है, जो ढाका से लगभग 204 किमी दक्षिण में है। वहीं, बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में भारत में हो रहे विरोध के बीच इस्कॉन के एक और संत को बांग्लादेश में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने दी। राधारमण दास के अनुसार, बांग्लादेश पुलिस ने श्याम दास को भी हिरासत में ले लिया।

अमेरिका से डिफेंस डील नहीं करेगा सऊदी अरब, गाजा युद्ध की वजह से लिया फैसला

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब अमेरिका के साथ बड़ी डिफेंस डील साइन करने की मांग से पीछे हट गया है। इस डील के बदले सऊदी को इजराइल के साथ सामान्य रिश्ते बहाल करने थे। अब वो अमेरिका पर किसी छोटे डिफेंस मिलिट्री कॉरपोरेशन एग्रीमेंट साइन करने के लिए दबाव बना रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, गाजा युद्ध की वजह से मिडिल ईस्ट और मुस्लिम देशों में इजराइल के खिलाफ गुस्सा है। ऐसे में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ऐसा कोई बड़ा समझौता नहीं करना चाहते हैं। हालांकि, एमबीएस की शर्त है कि अगर इजराइल फिलिस्तीन देश बनाने के लिए ठोस कदम उठाता है तो वो उसे मान्यता दे सकते हैं। वहीं, रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू यह जानते हैं कि अगर वो हमास को किसी भी तरह की रियायत देते हैं तो उन्हें अपने देश में भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में दोनों नेता अपने-अपने देश की आंतरिक राजनीति में उलझे हुए हैं।

बाइडन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले डील हो सकती है : वेस्टर्न डिप्लोमैट्स ने रॉयटर्स से कहा- इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अभी भी सऊदी अरब के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए एक्सआइटेड हैं। अगर ऐसा होता है तो यह मील का पत्थर साबित होगी। इससे अरब दुनिया में इजराइल को बड़े पैमाने पर एक्सेप्टेंस मिलेगी। सऊदी और अमेरिका को उम्मीद है कि जनवरी में राष्ट्रपति जो बाइडन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले एक छोटे

डिफेंस मिलिट्री एग्रीमेंट पर साइन हो सकता है। इस समझौते में जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज, डिफेंस इंडस्ट्री में पार्टनरशिप और हाई टेक्निक में सऊदी इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देना शामिल है।

फुल डिफेंस डील को ु सीनेट में दो तिहाई बहुमत जरूरी : रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी अमेरिकी-सऊदी फुल डिफेंस डील का अमेरिकी सीनेट में दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी है। जब तक सऊदी इजराइल को मान्यता नहीं देता, यह मुमकिन नहीं होगा। इस वक्त जिस समझौते पर बात चल रही है उसमें ईरान के खतरों से निपटने के लिए जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज शामिल है। यह अमेरिका और सऊदी डिफेंस फर्मों के बीच पार्टनरशिप को बढ़ावा देगा, और चीन-सऊदी की बढ़ती साझेदारी पर लगाम लगाएगा। यह समझौता एग्रीमेंट हाई टेक्नोलॉजी, खास तौर पर ड्रोन इंडस्ट्री में सऊदी निवेश को बढ़ावा देगा। हालांकि, इस डील में अमेरिका पर सऊदी को किसी भी हमले से बचाने की जिम्मेदारी नहीं होगी। इस एग्रीमेंट को लेकर सबसे बड़ी चिंता डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस वापस लौटने की है। ट्रम्प कभी भी अलग फिलिस्तीन देश बनाने के समर्थक नहीं रहे हैं। हालांकि, अरब अधिकारियों का मानना है कि ट्रम्प और उनके दामाद जेरेड कुशनेर के मोहम्मद बिन सलमान से काफी अच्छे रिश्ते हैं, ऐसे में वो उन्हें इसके लिए राजी कर लेंगे।

जेलेंस्की बोले- यूक्रेन के कब्जे वाली जमीन नाटो कंट्रोल करे

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक इंटरव्यू में यूक्रेन के नियंत्रण वाले हिस्से नाटो के कंट्रोल में देने की बात की है। उनके मुताबिक, अगर नाटो इस इलाके को अपने कंट्रोल में ले लेता है तो युद्ध खत्म हो जाएगा। जेलेंस्की ने ब्रिटेन के स्काई न्यूज से कहा- अगर हम वॉर को हॉट जोन में जाने से रोकना चाहते हैं, तो हमें यूक्रेन के उस हिस्से को नाटो के कंट्रोल में लाना होगा जो हमारे पास है। जेलेंस्की ने एक ऐसा सिस्टम डेवलप करने की जरूरत बताई जिससे यह तय किया जाए कि रूस भविष्य में दोबारा हमला न कर सके। उन्होंने कहा- अगर हम युद्धविराम की बात करते हैं, तो हमें इस बात की गारंटी चाहिए कि पुतिन वापस नहीं आएंगे।

नाटो यूक्रेनी इलाकों के सिक्योरिटी की गारंटी ले : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, हमें यह काम तेजी से करना होगा, इसके बाद यूक्रेन डिप्लोमैटिक तरीके से अपने इलाके का दूसरा हिस्सा भी वापस पा लेगा। उन्होंने नाटो से मांग की कि वो यूक्रेन के कंट्रोल वाले इलाके की सिक्योरिटी का गारंटी ले, ताकि वॉर को बढ़ने से रोका जा सके। जेलेंस्की के मुताबिक, वो रूसी कब्जे वाले यूक्रेन के हिस्से वापस पाने के लिए इंतजार करेंगे। अगर किसी समझौते से यूक्रेन के बाकी हिस्सों की सुरक्षा होती है तो यह लड़ाई खत्म हो जाएगी। यह बयान उस वक्त आया है जब दोनों देश एक दूसरे पर खतरनाक मिसाइलों से हमले कर रहे हैं।

ट्रम्प एक दिन में वॉर रुकवाने का दावा कर चुके हैं : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद युद्धविराम और पीस ट्रीटी की चर्चा तेज हो गई है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान भी ट्रम्प ने लगातार दावा किया था कि अगर वो राष्ट्रपति बनेंगे तो एक दिन में यूक्रेन वॉर रुकवा देंगे। हालांकि, उन्होंने इस बार में कोई डिटेल जानकारी नहीं दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से रूस ने यूक्रेन के लगभग 18% हिस्से पर कब्जा कर लिया है। युद्ध शुरू होने से पहले जेलेंस्की लगातार पूरे यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की मांग कर रहे थे।

जिस खालिस्तानी आतंकी पर दर्ज हैं 70 मुकदमे, उसे कनाडा ने दी जमानत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की खालिस्तानियों से दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के मोस्ट वांटेड गैंगस्टर अर्श डल्ला को कनाडा की अदालत ने महज 30 हजार डॉलर के निजी मुचलके पर जमानत दे दी है। अर्श डल्ला पर भारत में 70 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें कई हत्याओं और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। इस फैसले ने एक बार फिर कनाडा में खालिस्तान समर्थक आतंकियों के प्रति सहानुभूति को उजागर किया है। अर्श डल्ला, जो कभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य था, अब अपने पुराने सहयोगियों से जानी दुश्मनी बना चुका है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी 2025 को होगी। भारत सरकार अर्श डल्ला के प्रत्यर्पण के लिए कनाडा से बातचीत की तैयारी कर रही थी, लेकिन अदालत से जमानत मिल जाने के बाद मामला और जटिल हो गया है।

कनाडा में गिरफ्तारी, फिर जमानत : भारत में आतंकी गतिविधियों में लिप्त अर्श डल्ला को कनाडा पुलिस ने 28 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया था। वह खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख है और पंजाब के युवाओं को कनाडा बुलाकर आतंकवाद में शामिल करने का आरोप है। पुलिस को उसके पास से कई हाईटेक हथियार भी मिले थे, जिससे उसकी आतंकवादी गतिविधियों की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अर्श डल्ला पर आरोप है कि वह भारत में हत्याओं और वसूली के मामलों में भी सक्रिय रहा है और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ उसका संपर्क रहा है। भारतीय एजेंसियां उसे भारत लाकर इन मामलों में उसकी जांच करना चाहती हैं।

गोलीबारी और गिरफ्तारी की कहानी : 28 अक्टूबर 2024 की रात कनाडा में एक गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें अर्श डल्ला घायल हो गया था। सूत्रों के मुताबिक, वह अपने साथी गुरजंत सिंह के साथ कार में जा रहा था, तभी कार में रखी बंदूक से एक्सिडेंटली गोली चल गई। गोली डल्ला के दाहिने हाथ में लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। डल्ला ने पुलिस को अपनी गिरफ्तारी से पहले एक झूठी कहानी सुनाई थी, जिसमें उसने खुद पर हमले का दावा किया था।

भारत के लिए खतरा : अर्श डल्ला का पूरा नाम अर्शदीप डल्ला है और वह पंजाब के मोगा जिले का निवासी है। भारत में उसकी गिरफ्तारी के बाद उसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वह कनाडा में बैठकर भारतीय युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल करता है और आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिलवाता है। भारत सरकार और सुरक्षा एजेंसियां उसे गिरफ्तार करने और उसके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तत्पर हैं।

सीरिया में रूस ने भी उतार दी सेना, अलेप्पो में घुसे विद्रोहियों पर बरसाए बम

अलेप्पो, एजेंसी। सीरिया के शहर अलेप्पो में इस्लामिक विद्रोहियों के हमले के बाद रूस की सेना राष्ट्रपति बशर अल असद की मदद को उतर पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयरफोर्स असद की सेना की मदद कर रही है और विद्रोहियों पर हवाई हमले कर रही है। 2020 में गृह युद्ध थमने के बाद एक बार फिर से बशर अल असद के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। 2011 से 2020 तक चले गृह युद्ध में लाखों लोग मारे गए थे। इसके बाद 2020 में सीजफायर का समझौता हुआ था। हयात तहरीर-अल शाम के लड़ाकों ने 40 फीसदी अलेप्पो शहर पर कब्जा कर लिया है। वहीं शनिवार को ही असद ने अपनी सेना को सुरक्षित निकलने का आदेश दे दिया था। हजारों सीरियाई विद्रोही अत्याधुनिक हथियारों के साथ और वाहनों में सवार होकर अलेप्पो के अंदर फैल गए। स्थानीय निवासियों और लड़ाकों ने यह जानकारी दी।

एक दिन पहले ही विद्रोही सीरिया के सबसे बड़े शहर में घुसे थे, जहां उन्हें सरकारी सैनिकों की ओर से बहुत कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। सीरिया के सशस्त्र बलों ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अलेप्पो पर बड़े हमले का मुकाबला करने और लोगों की जान बचाने के लिए, उन्होंने फिर से सैनिकों की तैनाती की है और जवाबी हमले की तैयारी कर रहे हैं। बयान में स्वीकार किया गया कि विद्रोही शहर के बड़े हिस्से में घुस आए हैं। ड्रोनों को पुलिस मुख्यालय, शहर के केंद्र और अलेप्पो में उनके पुराने गढ़ के बाहर देखा गया। उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति बशर असद के पोस्टर फाड़ दिए और कुछ को जला दिया। यह घटनाक्रम असद के लिए शर्मिंदगी का

सबब बन गया है, जो 2016 में शहर पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने में कामयाब रहे थे। उस वक्त उन्होंने एक भीषण सैन्य अभियान के बाद विद्रोहियों और हजारों नागरिकों को इसके पूर्वी इलाकों से खदेड़ दिया था, जिसमें उनकी सेनाओं को रूस, ईरान और उसके सहयोगी समूहों का समर्थन प्राप्त था। अलेप्पो पर तब से विद्रोहियों ने हमला नहीं किया है। 2016 में अलेप्पो के लिए हुई लड़ाई सीरियाई सरकारी बलों और विद्रोही लड़ाकों के बीच युद्ध में एक महत्वपूर्ण मोड़ थी, जब 2011 में असद के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन एक पूर्ण युद्ध में तब्दील हो गया था। विद्रोही गुट के एक लड़ाका अली जुमा ने कहा, मैं अलेप्पो का बेटा हूं। आठ साल पहले हमें यहां से निकाल दिया गया था। अब हम फिर लौट आए हैं और बहुत अच्छा लग रहा है।

किसानों के दिल्ली कूच पर सीएम सैनी का जवाब, कहा- आंदोलन पंजाब में होना चाहिए

चंडीगढ़ । कुरुक्षेत्र (रणदीप) ¬ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी आज कुरुक्षेत्र के बीड पिपली गांव में धन्यवादी दौरे पर पहुंचे थे। नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश में किसानों की सभी फसलें एमएसपी (स्स्क्क) पर खरीदी जा रही हैं, किसानों को तमाम सुविधाएं दे रहे हैं, ऐसे में यहां किसान आंदोलन की कोई जरूरत ही नहीं है। किसानों के दिल्ली कूच पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि यह आंदोलन पंजाब में होना चाहिए, जहां-जहां पर कांग्रेस की सरकार है, वहां पर किसानों को अपना आंदोलन करना चाहिए। कांग्रेस ने किसानों को बरगलाया था कि एमएसपी बंद हो जाएगी।

रणजीत सुरजेवाला का बिना नाम लिए कसा तंज

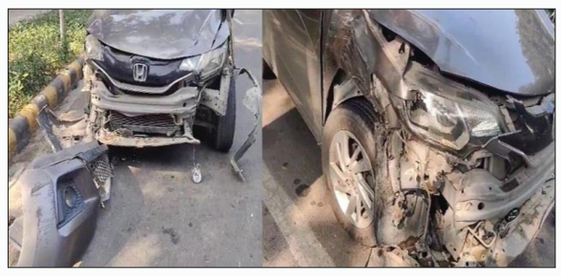

नायब सैनी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज नेता रणजीत सुरजेवाला का बिना नाम लिए तंज कसा कि उनका श्राप खुद पर उल्टा पड़ गया। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के पास आज झूठ के अलावा और कुछ बोलने को नहीं है। इसके नेता लगातार जनता को बरगलाने का काम कर रहे हैं। सीएम नायब सैनी ने कहा पिछले 10 साल से भाजपा ने सभी वर्ग का ध्यान रखते हुए हमारी सरकार ने विकास कार्य करवाए हैं और यही कारण है कि हरियाणा की जनता ने तीसरी बार भाजपा की सरकार को चुना है।

सीएम सैनी ने की 20 लाख रुपए देने की घोषणा

कांग्रेस पार्टी ने लगातार 55 सालों तक झूठे वादे किए, हर व्यक्ति का शोषण किया है। जिसमें महिला, युवा वर्ग, गरीब किसान को उत्पीड़ित किया है। नायब सैनी ने कहा कि आज सारा दिन 3¬00 बजे तक अपनी विधानसभा हल्के के लाडवा में गांव की लोगों की समस्याएं सुनते आया हूं और जो लोग चंडीगढ़ नहीं पहुंच सकते। उन लोगों की समस्याएं में खुद अपने हलके में पहुंचकर सुन रहा हूं और उनकी समस्याओं का निदान करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में लाडवा विधानसभा के बीड पीपली गांव को आज मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 20 लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

ओवरलोड डंपर की चपेट में आने से गई 3 मासूमों की जान, सड़क किनारे खड़े थे तीनों

बराड़ा । प्रदेश में आए दिन तेज रफ्तार का कहर देखने को मिलता है। ताजा मामला बराड़ा से सामने आया है जहां ओवरलोड डंपर ने सड़क किनारे खड़े तीन मासमों को अपनी चपेट में ले लिया जिससे तीनों की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को मुलाना स्थित एमएम मेडिकल कॉलेज के मार्चरी में रखवा दिया है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा मौजगढ़-सोहाना मार्ग पर हुआ। हादसे में मृतक बच्चों की आयु 16 से 18 वर्ष के बीच बताई जा रही है। इस हादसे के बाद मृतकों के परिवार में गम का माहौल है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है। देखना यह होगा कि पुलिस कब तक डंपर चालक को गिरफ्तार करती है।

बिप्लब देब का काफिला हुआ दुर्घटनाग्रस्त, संसद से आते समय हुआ हादसा

दिल्ली । त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री व हरियाणा के बीजेपी प्रभारी बिप्लब देब का काफिला दुर्घटनाग्रस्त हो गया। काफिला बिप्लब देब को सांसद भवन छोड़कर आ रहा था। बिप्लब देब गाड़ी में मौजूद नहीं थे। गाड़ी का चक्का गाड़ी से बाहर निकल गया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की जान का कोई नुकसान नहीं हुआ। इस हादसे के बाद जाम लग गया जिसके बाद प्रशासन ने रास्ता खाली करवाया।

सड़क हादसे में कार सवार चचेरे भाइयों की मौत, काम से वापस लौट रहे थे घरा

गोहाना । गोहाना में देर रात दर्दनाक सड़क हादसा देखने को मिला। यहां हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों मृतक आपस में चचेरे भाई थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर महिला मेडिकल कॉलेज खानपुर में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों की पहचान सचिन (26) और सुमित (24) निवासी खेड़ी दमकन के रूप में हुई है। दोनों मृतकों ने सफीदों में चश्मों की दुकान की हुई है। रात को दोनों भाई अपनी कार में सवार होकर गांव आ रहे थे तो गोहाना जींद रोड पर जलेबी चौक के पास उनकी कार डिवाइडर से जा टकराई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।इस हादसे की सूचना मिलते ही गांव में मातम छा गया। पुलिस आज दोनों मृतकों के शवों का पोस्ट मार्टम करवाएगी।

सोनीपत पुलिस का कारनामा, 10 महीने बाद माना फैक्ट्री में झुलसने से गई थी फैक्ट्री कर्मी की जान

सोनीपत । सोनीपत पुलिस का ऐसा कारनामा सामने आया है जिसे सुनकर हर कोई हैरान है कि ऐसा भी हो सकता है। पुलिस ने 10 महीने बाद माना है कि एक फैक्ट्री कर्मचारी की मौत फैक्ट्री में झुलसने के कारण हुई है। जानकारी के मुताबिक सोनीपत के पंचशील कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति की मार्च में झुलसने से मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी ने फैक्टरी मालिक पर लापरवाही का आरोप लगाया था। उन्होंने सीएम विंडो पर शिकायत दी थी। इसके बाद शहर थाना पुलिस ने 10 महीने बाद लापरवाही का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पत्नी वंदना ने बताया कि उनके पति अनिल शर्मा करीब 20 साल से शहर स्थित एक फैक्टरी में काम करते थे। पति उन्हें कई बार कहते थे कि अब कंपनी मालिक परेशान कर रहे हैं। उन्होंने बताया था कि उन्होंने कई बार कंपनी मालिक को कहा था कि फैक्टरी में मशीनों के कई उपकरण पुराने व बेकार हो चुके हैं। अगर उन्हें नहीं बदला तो किसी दिन आग लग सकती है। फैक्टरी मालिक ने 10 जनवरी को पति को जबरदस्ती पुरानी मशीनों पर काम के लिए मजबूर किया था। काम करते समय मशीन में लगी आग में उनके पति झुलस गए थे।

3 मार्च को इलाज के दौरान हुई मौत - इसके बाद उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां से दो दिन बाद उन्हें दिल्ली स्थित अस्पताल में रेफर कर दिया था। वहां पर उनका इलाज 25 दिन चला था। इसके बाद वह पति का इलाज करवाने फरीदाबाद स्थित अस्पताल में ले गए थे। इलाज के दौरान 3 मार्च उनकी मौत हो गई थी। उनके देवर सुनील ने मामले की सूचना शहर थाना पुलिस को दी थी। पुलिसकर्मी ने यह आश्वासन दिया था कि वह फैक्टरी मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। महिला ने सीएम विंडो पर शिकायत देकर कहा कि उनकी शिकायत पर जांच के लिए ईमानदार अधिकारी को तैनात किया जाए। पुलिस ने लापरवाही का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में सोनीपत पुलिस प्रेस प्रवक्ता रविंद्र कुमार ने बताया कि सीएम विंडो से एक शिकायत मिली थी जो वदंना ने की थी कि अनिल शर्मा की मौत फैक्ट्री में झुलसने के कारण हुई है। शिकायत की जांच एसीपी राहुल देव ने की और अब फैक्ट्री मालिकों पर लापरवाही का मामला दर्ज कर मामले में जांच शरू कर दी गई है।

जींद में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, मृतकों में एक था 6 बहनों का इकलौता भाई

जींद । प्रदेश में आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। जहां जींद में रात के समय दर्दनाक हादसा हो गया। यहां ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। यह हादसा जींद के कैथल रोड़ धर्म काटे पर हुआ। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ट्रक चालक की तलाश में जुटी हुई है।

6 बहनों का एकलौता भाई था महावीर- जानकारी के मुताबिक दोनों ही युवक क्रोकरी का काम करते थे। परिजनों ने बताया कि कल रात को महावीर और अंकुश रात के समय 11 बजे क्रोकरी के काम को निपटाकार अपने घर आ रहे थे। रास्ते में जींद के पटियाला चौक अपोलो रोड़ पर ट्रक चालक ने बाइक सवारों को टक़्कर मार दी जिसमें दोनों युवकों की मौत हो गई। दोनों ही युवकों की उम्र 18 साल थी। मृतक महावीर 6 बहनों का एकलौता ही भाई था और अंकुश के परिवार में सिर्फ दो ही बहन-भाई थे जिसमे से अंकुश की हादसे मे मौत हो गई। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोगों ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया है और ट्रक चालक को गिरफ्तार करने की मांग की है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कारवाई शुरू कर दी है।

हरियाणा में आज से बदलेगा मौसम, पहाड़ी हवाओं से बढ़ेगी ठंड

हरियाणा में मौसम में बदलाव देखने को मिला। इसका कारण वेस्टर्न डिस्टरबेंस का एक्टिव होना बताया जा रहा है। दिन और रात के रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली है जहां दिन का तापमान 0.2 डिग्री और रात का तापमान 1.2 डिग्री तक बढ़ गया। सूबे का करनाल जिला सबसे ठंडा रहा।

आज से होगा मौसम में बदलाव - मौसम विभाग के अनुसार आज से कई जिलों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। बादलवाही छाने से रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। पहाड़ों से आ रही हवाओं से दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। आने वाले दिनों में और अधिक ठंड पड़ने की संभावना है। वहीं प्रदूषण के लिहाज से भी प्रदेश में कुछ राहत जरूर मिली है, AQI 300 से नीचे पहुंच गया।

‘चैप्टर मूनलाइट’ कार्यक्रम में 32 हाउसिंग सोसायटी के 165 सीनियर सिटीजनों ने लिया भाग

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के चैप्टर मूनलाइट के आपसी मिलन का आयोजन सेक्टर 50 बी के कम्युनिटी सेंटर में किया गया जिसमे सेक्टर 46-51 की 32 हाउसिंग सोसायटियों के 165 सीनियर सिटीज़नों ने भाग लिया। प्रोग्राम का अगाज राष्ट्रीय गान से किया गया जिसके बाद सेक्रेटरी अशोक गोयल ने मेंबरों, अतिथियों, एवं प्रायोजकों का स्वागत किया। तंबोला को आयोजकों ने और अधिक आकर्षित बनाया। दिसंबर माह में जन्म लेने वाले 14 सदस्यों का जन्मदिन एवं एक युगल की शादी की सालगिरह नाच गाने के साथ केक काटकर एवं उपहार देकर

मनाई गई। चैप्टर मूनलाइट के न्यूजलेटर के दिसंबर माह के संस्करण को प्रोग्राम में जारी किया गया। सर्वश्रेष्ठ संदेश अवार्ड एवं समय पर आने वाले मेंबरों का लक्की ड्रा प्रोग्राम के विशेष आकर्षण थे। प्रोग्राम के सहप्रयोजक डी सी बी बैंक के प्रीतिनिधि गौरव खन्ना ने अपने बैंक की स्कीमों के बारे में विस्तार से बताया और मेंबरों को बैंकिंग संबंधी बहुमूल्य जानकारी दी। प्रोग्राम के सहप्रयोज़क Clear Hear India के विशेषज्ञों ने सीनियर सिटीज़नों की सुनने की समस्या का जाँच करने के लिए कैम्प भी लगाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन श्री चरणजीत सिंह चन्नी ने किया। जिसमें उन्होंने सदस्यों के साथ मिलकर अपने मनमोहक गीतों से सभी का मनोरंजन किया। ढोल की थाप पर सदस्यों ने भरपूर डांस किया। जिसमे सदस्य भंगडे की ताल पर दिल खोलकर नाचे। अंत में सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। चैप्टर के मनोरंजन से भरपूर आपसी मिलन की सभी ने बहुत सराहना की।

किसान के घर में हो रहीं अजीब चीजें, अब तक अलग-अलग जगह में 22 बार लगी आग

सोनीपत। सोनीपत जिले के गांव फरमाणा से ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुन और देख कर सब हैरान है कि ऐसा भी हो सकता है क्या। गांव फरमाणा में किसान हरिकिशन के घर में अचानक किसी भी जगह आग लग जाती है जोकि चर्चा का विषय बनी हुई है। अब पीड़ित परिवार के साथ ग्रामीणों को भी डराने लगी है। लॉकर में रखे आभूषणों में सबसे पहले आग लगी थी। जिसके बाद से घर में करीब 22 बार आग लग चुकी है। किसान के घर से ग्रामीण कोई सामान नहीं ले रहे है। परिजन व ग्रामीण पहरा देने को मजबूर है।

घर के अंदर करीब 22 बार लग चुकी आग

मिली जानकारी के अनुसार किसान हरिकिशन के घर में सप्ताह भर पहले अलमारी के अंदर लॉकर में रखे आभूषणों में अचानक लगी थी। जिसमें चांदी के आभूषण पिघल गए थे। उसके बाद से घर के अंदर अलग-अलग स्थानों पर करीब 22 बार आग लग चुकी है। आग से कपड़े, फर्नीचर और अन्य सामान जल गया था। आग लगने की घटना का कोई ठोस कारण पता नहीं लग सका है। पीड़ित परिवार बुरी तरह से घबराया है। परिवार का कहना है कि घर से कोई सामान लेने तक नहीं आता।

पीड़ित परिवार के लोगों ने बताया कि उनके पास आठ भैंस है, जिनका दूध बेचकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। अब महज दो भैंस दूध दे रही हैं। ग्रामीण उनसे दूध तक नहीं लेकर जाते। ग्रामीण पीड़ित के घर के अंदर पहरा दे रहे है। परिवार के सदस्यों का कहना है कि रात को बच्चे सो जाते हैं तो परिवार के सदस्य जागते हैं। डर बना रहता है कि कहीं आग लगने से परिवार के सदस्य को नुकसान न हो जाए। कोई इसे अंधविश्वास से जोड़ रहा है तो प्राकृतिक या वैज्ञानिक कारणों से पता लगाने की बात कह रहा है।

पीड़ित परिवार ने जांच की मांग

पीड़ित परिवार का कहना है कि शुरुआत में उनके घर में आग लगने पर जब वह मोबाइल से वीडियो बनाते थे तो वह बुझ जाती थी। अब वीडियो रिकॉर्डिंग भी हो रही है। अब तो पानी डालकर आग बुझानी पड़ रही है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से फॉरेंसिक विशेषज्ञ की टीम बुलाकर जांच करने को कहा हैं।

ष्टढ्ढ टीम पर फायरिंग करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, ज्वैलर्स से मांगी थी दो करोड़ की फिरौती

सोनीपत। गोहाना पुलिस की सीआईए टीम ने सोमवार को बड़ी कामयाबी मिली है। टीम ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों ने दो दिन पहले नरवाना में हुई मुठभेड़ में पुलिस पर फायरिंग की थी। पुलिस ने बदमाशों से दो अवैध पिस्टल भी बरामद किए हैं। इस मुठभेड़ में एक बदमाश पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस जांच में पाया कि यह गैंग बना कर फिरौती और लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। इनका सरगना गोगी है जो विदेश में रहकर सारी वारदातों की योजना बनाता था जो यह यहां पर वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार गोगी डोंकी के रास्ते अमेरिका गया हुआ है, जो वहीं से लोगों को फिरौती की धमकी देता था। सभी पर लूट, डकैती और हत्या के कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सोनीपत क्राइम ब्रांच के डीसीपी नरेंद्र सिंह ने मीडिया को बताया कि गोहाना के एक ज्वैलर्स से बदमाशों ने दो करोड़ रूपये फिरौती की मांग की गई थी। पैसे के लिए पहले जुलाना उसके बाद नरवाना बुलाया गया। शिकायत मिलने के बाद पता चला कि इनको कोई व्हाट्सएप के जरिए जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ फिरौती की मांग की है। इसके बाद पुलिस ने साइबर सेल की मदद लेकर क्राइम ब्रांच की कई टीमें बनाई गई। जब पैसे लेकर पीड़ित

नरवाना गया तो पुलिस को देखकर पुलिस पर फायरिंग कर दी। उस समय यह भागने में कामयाब हो गए थे। अगले दिन पुलिस की सीआईए गोहाना की टीम ने एक आरोपी युगविंद्र को गिरफ्तार किया था।

एमएसपी किसानों का अधिकार, कानूनी गारंटी दे बीजेपी सरकार : भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़ । पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि एमएसपी की गारंटी किसानों का अधिकार है। किसान आंदोलन को खत्म करवाते हुए केंद्र सरकार ने खुद इसका वादा किया था। अब उसे अपने वादे के मुताबिक प्रत्येक फसल पर एमएसपी की कानूनी गारंटी देनी चाहिए। उन्होने कहा कि दिल्ली कूच करने वाले किसानों की मांगों पर बीजेपी सरकार को विचार करना चाहिए। कांग्रेस ने भी बार-बार यह मांग सरकार के सामने उठाई है और पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में

भी इसका जिक्र किया गया था। हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उनके साथ कांग्रेस सांसद जयप्रकाश जेपी और सतपाल ब्रह्मचारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा में भी किसानों के मुद्दे उठाए थे। सभी ने देखा कि चुनाव के बाद बीजेपी अपने ही वादे से मुकर गई। उसने ना किसानों को 3100रु के रेट पर धान खरीदी और ना ही एमएसपी पर खरीद की गई। जबकि बीजेपी दावा करती है कि वह हरियाणा में 24 फसलों पर एमएसपी दे रही है। सच्चाई यह है कि हरियाणा में कुल 24 फसलें होती ही नहीं है। जो फैसले प्रदेश में होती हैं, उनका रेट भी किसानों को कभी नहीं दिया जाता। इतना ही नहीं खाद के लिए भी किसानों को हर बार दर-दर भटकना पड़ता है। सरकार दावा करती है कि खाद की कोई कमी नहीं है। लेकिन फिर भी किसानों को कई-कई दिन लंबी-लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा और ब्लैक में खाद खरीदनी पड़ी। इस मौके पर जयप्रकाश जेपी और सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि कांग्रेस संसद में भी तमाम जरूरी मुद्दों पर चर्चा करना चाहती है। लेकिन सरकार चर्चा से भाग रही है और बार-बार सदन की कार्यवाही को स्थगित किया जा रहा है।

अनिल विज ने हुड्डा की ‘कादर खान’ से की तुलना, किसानों को लेकर कही ये बात

अंबाला। गब्बर के जनता दरबार का हर किसी को इंतेजार रहता है, क्योंकि फरियादियों को गब्बर का फैसला ऑन द स्पॉट का स्टाइल बहुत भाता है। यही कारण है कि विज के जनता दरबार में अक्सर भीड़ दिखाई देती है। सोमवार को अंबाला छावनी के PWD रेस्ट हाउस में अनिल विज के जनता दरबार में लोगों की भीड़ दिखाई की। दरबार में अनिल विज ने लोगों की समस्याएं सुनी और निवारण करने के लिए अधिकारियों को सख्त आदेश दिए।

इसके अलावा अनिल विज ने अधिकारियों को फटकार लगाई। विज ने कहा कि उनके पास सभी विभागों की शिकायतें आ रही है। उन्होंने सभी अधिकारियों को आदेश दिए है कि सभी शिकायत पर बिना किसी बहाने के त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए।

विज ने हुड्डा का उड़ाया मजाक

प्रदेश की सैनी सरकार ने 80 करोड़ की लगत से हेलीकॉप्टर खरीदा है। इस पर अनिल विज ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर हुड्डा के बयान का मजाक उड़ाया और उनकी तुलना फिल्मों के हास्य कलाकार कादरखान से कर दी। उन्होंने कहा कि एक फिल्म के कादर खान भी हुड्डा जी जैसा लीडर था और उसने उस फिल्म में अपने PA को 2 प्रेस नोट लिखवाए और कहा कि अगर मंत्रीजी हेलीकॉफ्ट से आए तो तुमने बोलना है कि एक तो बाढ़ आई है और ऊपर से पेट्रोल खर्च कर रहे है। अगर गाड़ी से आए तो ये बोलना है कि इनके पास हेलीकॉप्टर है, फिर भी गाड़ी से आ रहे है ताकि लोग मर जाए।

राहुल गांधी के बयान पर दी प्रतिक्रिया

अनिल विज ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता देश की आर्थिक हालत खराब होने की बात कर रहे हैं। देश की आर्थिक हालत ने सुधार किया है और अर्थव्यवस्था हमारी अंतराष्ट्रीय स्तर पर बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। किसानों के दिल्ली कूच पर विज से कहा कि अगर मुझे अंबाला में कोई जनसभा करनी है तो इसके लिए मुझे इजाजत लेनी पड़ेगी। ऐसे ही किसान बताए कि उन्होंने दिल्ली से इजाजत ले ली है या नहीं।

मोदी और शाह के दौरे को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शहर दौरे के मद्देनजर चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने 2 और 3 दिसंबर के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। मोदी के साथ अमित शाह भी मौजूद रहेंगे। चंडीगढ़ में 2 और 3 दिसंबर 2024 को वीवीआईपी मूवमेंट के चलते शहर के कई मुख्य मार्गों पर यातायात प्रभावित रहेगा। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे इन दिनों विशेष समय के दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और असुविधा से बचें। दोनों दिन पीएम नरेंद्र मोदी का आगमन रहेगा। 02.12.2024 और 03.12.2024 को विशेष व्यवस्था के मद्देनजर, आम जनता को सूचित किया जाता है कि:

1. 2.12.2024 को, वीवीआईपी की आवाजाही के दौरान, दक्षिण मार्ग पर एयरपोर्ट लाइट प्वाइंट, हल्लो माजरा लाइट प्वाइंट, पोल्ट्री फार्म चौक, ट्रिब्यून चौक, आयरन मार्केट लाइट प्वाइंट, गुरुद्वारा चौक, न्यू लेबर चौक (सेक्टर 20/21-33/34); सरोवर पथ पर ओल्ड लेबर चौक (सेक्टर 18/19-20/21 चौक), ए.पी. चौक (सेक्टर 7/8-18/19) और हीरा सिंह चौक (सेक्टर 5/6-7/8 चौक) पर यातायात को डायवर्ट/प्रतिबंधित किया जाएगा। आम जनता से अनुरोध है कि वे शाम 8¬15 बजे से 9¬30 बजे तक उपरोक्त खंड/सड़क से बचें।

2. इसके अलावा 03.12.2024 को वीवीआईपी की आवाजाही के दौरान दक्षिण मार्ग पर एयरपोर्ट लाइट प्वाइंट, हल्लो माजरा लाइट प्वाइंट, पोल्ट्री फार्म चौक, ट्रिब्यून चौक, आयरन मार्केट लाइट प्वाइंट, गुरुद्वारा चौक, न्यू लेबर चौक (सेक्टर 20/21-33/34); सरोवर पथ पर ओल्ड लेबर चौक (सेक्टर 18/19-20/21 चौक), ए.पी. चौक (सेक्टर 7/8-18/19) और हीरा सिंह चौक (सेक्टर 5/6-7/8 चौक); विज्ञान पथ पर सेक्टर 4/5-8/9 चौक, न्यू बैरिकेड चौक (सेक्टर 3/4-9/10), सेक्टर 2/3-10/11 चौक और पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पीईसी) लाइट प्वाइंट पर यातायात को डायवर्ट/प्रतिबंधित किया जाएगा। आम जनता से अनुरोध है कि वे सुबह 11¬00 बजे से दोपहर 3¬30 बजे तक उपरोक्त सड़क/खंड पर जाने से बचें।

3. इसके अलावा, वीवीआईपी दौरे के मद्देनजर कुछ सड़क खंडों पर यातायात की आवाजाही प्रतिबंधित/डायवर्ट की जा सकती है।

4. उपरोक्त के मद्देनजर, आम जनता से अनुरोध है कि वे किसी भी भीड़/असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाएं।

5. इसके अलावा, आम जनता से अनुरोध है कि वे ट्रैफिक पर वास्तविक समय के अपडेट के लिए चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट का अनुसरण करें।

6. मेहमानों, आमंत्रित लोगों और आधिकारिक कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे

अपने वाहनों को केवल निर्दिष्ट पार्किंग स्थलों पर ही पार्क करें।

7. आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे अपने वाहनों को साइकिल ट्रैक/पैदल यात्री मार्ग और नो पार्किंग एरिया पर पार्क/चलाना न करें, अन्यथा कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वहीं चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस आम जनता से पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील करती है और इन प्रतिबंधों/डायवर्सन के कारण होने वाली किसी भी असुविधा के लिए गहरा खेद व्यक्त करती है।

श्री भगवत प्रसाद मकवाना मा० सदस्य ने मा० प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में 12 करोड़ शौचालय बनवाये जाने हेतु धन्यवाद दिया

मैनुअल स्कैवेंन्जरों के आश्रितों को समस्त सरकारी योजनाओं में लाभान्वित करायेः श्री भगवत प्रसाद मकवाना, मा० सदस्य

☛स्वच्छकारों को मिलने वाली हर योजना के प्रति जागरूक करते हुए नियमानुसार योजनाओं का लाभ दिलाएं: श्री भगवत प्रसाद मकवाना, मा० सदस्य

☛स्वच्छकारों को आवास योजना के तहत घर और बच्चों की शिक्षा हेतू ऋण दिलायें: श्री भगवत प्रसाद मकवाना, मा० सदस्य

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। श्री भगवत प्रसाद मकवाना, मा० सदस्य, सेन्ट्रल मांनिटरिंग कमेटी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित दुर्गावती सभागार कक्ष में समीक्षा बैठक का आहूत हुई। बैठक के दौरान श्री भगवत प्रसाद मकवाना जी, मा० सदस्य, सेन्ट्रल मांनिटरिंग कमेटी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मा० प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश में 12 करोड़ शौचालय बनवाये जाने हेतु धन्यवाद दिया गया एवं हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध एवं उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 को पड़ते हुए जागरुकता फैलाने हेतु नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया। मैनुअल स्कैवेंन्जरों के आश्रितों को समस्त सरकारी योजनाओं में लाभान्वित कराये जाने हेतु विभागों से आये प्रतिनिधियों को निर्देशित किया। बैठक के दौरान माननीय सदस्य द्वारा बताया गया कि एमएस एक्ट 2013 के अनुसार मैन्युअल स्कैवेंजर यानि शुष्क शौचालय में हाथ से मैला उठाने वाले, सीवर में हाथ से मैला उठाने वाले, सेप्टिक टैंक में हाथ से मैला उठाने वाले, रेलवे ट्रैक्स में हाथ से मैला उठाने वाले व खुले नाले/नालियों की हाथ से सफाई करने वाले होते है। उक्त सभी को चिन्हित करते हुए इनकी सूची तैयार करें और उक्त को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएं। हर किसी को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य होता है, इसलिए जीवन सुरक्षा का हर प्रकार से ध्यान रखा जाना अनिवार्य होता है। स्वच्छकारों को आवास योजना के तहत घर और बच्चों की शिक्षा हेतु ऋण दिलायें। शिक्षित एवं किसी अन्य कार्य में निपुण हो, उन्हें स्वरोजगार दिलाने का कार्य करें। महिला स्वच्छकारों को उनकी सुविधा के अनुसार उनकी ड्यूटी नजदीक के क्षेत्रों में लगवाई जाये। स्वच्छकारों को मिलने वाली हर योजना के प्रति जागरूक करते हुए नियमानुसार योजनाओं का लाभ दिलाएं। बैठक में मुख्य रुप से मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल, अपर जिलाधिकारी नगर श्री गम्भीर सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.अखिलेश मोहन, अपर नगर आयुक्त श्री अरूण कुमार यादव, एसडीएम श्री चन्द्रेश कुमार, एसीएमओ श्री अमित विक्रम, जिला सूचना अधिकारी श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह, नगर स्वास्थ अधिकारी डॉ.मिथलेश, जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) श्री दिग्विजय, समस्त नगर पालिका / नगर पंचायतों एवं समस्त विभागो के प्रतिनिधियों सहित भाजपा नेता श्री हिमांशू, श्री प्रदीप चौहान, श्री अमित सहित अन्य गणमान्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

ऑनलाइन क्विज विकसित भारत युवा नेता संवाद के विजेताओं को किया जाएगा सम्मानित

संस्कार उजाला

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देशन में तथा माननीय युवा कार्यक्रम में खेल मंत्री श्री मनसुख मांडवीया जी के मार्गदर्शन में ऑनलाइन विकसित भारत युवा नेता संवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस क्विज के पृष्ठभूमि और उद्देश्य के बारे में बताते हुए माई भारत और नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद, युवा कार्यक्रम में खेल मंत्रालय भारत सरकार के उपनिदेशक श्री देवेंद्र कुमार ने बताया कि जो युवा छात्र और छात्राएं इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती हैं वे इस लिंक **quiz2.mygov.in** पर क्लिक कर इसमें प्रतिभाग कर सकते हैं विकसित भारत युवा नेता संवाद राष्ट्रीय युवा महोत्सव (NYF) 2025 की एक परिवर्तनकारी पुनर्कल्पना है। भारत के भविष्य को आकार देने में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, इस नए महोत्सव का नाम विकसित भारत युवा नेता संवाद रखा गया है। यह गतिशील मंच युवा भारतीयों को अपने विचारों और दृष्टिकोणों को साझा करने के लिए सशक्त करेगा, ताकि वे विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में योगदान दे सकें। प्रतिभागियों की पात्रता : आयु 15 से 29 वर्ष के बीच

होनी चाहिए। क्विज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले को ₹1,00,000/- का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। दूसरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले को ₹75,000/- का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। तीसरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले को ₹50,000/- का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। अगले शीर्ष 100 प्रतिभागियों को ₹ 2,000/- का सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अगले शीर्ष 200 प्रतिभागियों को ₹ 1,000/- का अतिरिक्त सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी का डिजिटल प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। नियम और शर्तें क्विज सभी भारतीय नागरिकों के लिए खुला है। प्रतिभागी द्वारा 'प्ले क्विज' पर क्लिक करते ही क्विज शुरू हो जाएगा। क्विज 12 भाषाओं में उपलब्ध होगी यह एक समयबद्ध प्रश्नोत्तरी हैः आपके पास 10 प्रश्नों के उत्तर देने के लिए 300 सेकंड होंगे। एक बार प्रविष्टि जमा हो जाने के बाद, उसे वापस नहीं लिया जा सकता। अप्रत्याशित परिस्थितियों की स्थिति में, युवा मामले और खेल मंत्रालय किसी भी समय प्रतियोगिता के नियमों और शर्तों में संशोधन करने या प्रतियोगिता को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। प्रतिभागियों को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के सभी नियमों और शर्तों का पालन करना होगा, जिसमें कोई भी संशोधन या आगे का अपडेट शामिल है।घोषित विजेताओं को अपने MyGov प्रोफाइल पर पुरस्कार राशि के वितरण के लिए अपने बैंक विवरण अपडेट Sang होंगे। विस्तृत जानकारी के लिए उपर दिए हुए लिंक को क्लिक कर प्राप्त की जा सकेगी। चयनित प्रतिभागियों को भारत मंडप, नई दिल्ली में 12 से 13 जनवरी में होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव में माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा संबोधित तथा सम्मानित भी किया जाएगा। अतः सभी युवाओं, छात्र और छात्राओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में इस क्विज प्रतियोगिता में भाग लें तथा विजयी बने । प्रेषक देवेंद्र कुमार उपनिदेशक नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार

बौंहजा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने रखें श्री राम परिवार के नाम पर गलियों के नाम।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

दिनेश जमदग्नि गाजियाबाद। समाज में निवासियों को संस्कारित किए जाने हेतु प्रेरित करने के लिए तथा बाहर से आने वाले नवआगुंतको की सुविधा हेतु ग्राम बौंहजा में गलियों को भगवान एवं महापुरुषों के नाम पर नामांकित किया गया। गलियों का नामकरण करते हुए नामपट्ट लगाए गए। यह कार्य ग्राम बौंहजा की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं सदस्यों के सहयोग से संपादित किया गया। ग्राम बौंहजा के निवासीगण स्थानीय समस्याओं व स्वसुरक्षा तथा नागरिक सुविधाओं की सुचारू आपूर्ति एवं उचित व्यवस्था के लिए एक विकास समिति के रूप में संगठित हुए हैं। ग्राम बौंहजा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के संस्थापक,मुख्य सलाहकार दिनेश

शर्मा जमदग्नि जर्नलिस्ट, संरक्षक,सलाहकार अवधेश शर्मा जिला अध्यक्ष जिला उद्योग व्यापार मंडल,शास्त्री नगर व्यापार मंडल, अध्यक्ष अखिलेश चंद्र शर्मा, महासचिव सतपाल उर्फ गुड्डू मास्टर जी, उपाध्यक्ष पवन त्यागी, सफाई सचिव अनुभव शर्मा व राजकुमार पाल, वित्त सचिव अभिषेक गर्ग, विद्युत सचिव दीपक शर्मा, ऑडिटर शिवांश भारद्वाज, जलसचिव सूरज शर्मा, निर्माण सचिव ब्रह्मपाल सिंह, सुरक्षा सचिव गौरव गुप्ता, पर्यावरण सचिव नितिन रस्तोगी, कानूनी सलाहकार शोभित शर्मा तथा ग्राम के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति एवं सहयोग से यह शुभारंभ किया गया। गलियों के नामांकरण में गलियों के नाम श्री राम गली, श्री लक्ष्मण गली, श्री भरत गली, श्री शत्रुघ्न गली एवं श्री शिव मंदिर मार्ग रखे गए। अब आगामी योजना में अर्जुन गली आदि महाभारत कालीन नामों पर कार्य किया जाएगा।

प्राइवेट स्कूलों में लागू की जाएं एनसीईआरटी की पुस्तकें- कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी

गाजियाबाद स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल की मान्यता समाप्त करने की भी मांग की

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

सोमवार को कोरवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी द्वारा बुलाई गई एक पत्रकार वार्ता में उन्होंने सभी प्राइवेट स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकें अनिवार्य रूप से लागू करने की मांग की गई। प्रेस वार्ता में उन्होंने कोरवा द्वारा आगामी वर्ष -2025 में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ और प्रदूषण नियंत्रण के लिए काम करने के बारे में जानकारी दी। प्रेस वार्ता में कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी ने अभिभावकों के सामने भयंकर संकट खड़ा कर दिया है। उन्होंने सरकार और प्रशासन पर इसका ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि सरकार से लेकर प्रशासनिक अधिकारी भी इस मामले में घोर उदासीनता बरतते हैं जिससे इन अभिभावकों का और

भी ज्यादा शोषण हो रहा है। उन्होंने दिल्ली पब्लिक स्कूल पर अभिभावकों का सबसे ज्यादा शोषण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद के मेरठ रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल की शाखा को एक रुपया प्रति वर्ग मीटर की दर से भूमि देने के बावजूद यह स्कूल शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धज्जियां उड़ाते हुए गरीब बच्चों को नियमानुसार दाखिला नहीं दे रहा है। किताबों और यूनिफॉर्म के बहाने अभिभावकों का शोषण करने में भी इस विद्यालय को महारत हासिल है। उन्होंने बताया कि इस विद्यालय को पिछले सत्र में 27 गरीब बच्चों के दाखिले लेने थे, लेकिन केवल दो बच्चों का दाखिला लेकर स्कूल ने खानापूर्ति कर ली। उन्होंने सरकार से दिल्ली पब्लिक स्कूल की मान्यता तुरंत समाप्त करने की मांग की। गाजियाबाद पेरेंट्स ऐसोसिएशन की अध्यक्षा सीमा त्यागी ने कहा कि सरकारी निदेशों का पालन करने हुए सभी स्कूलों मे पहली से आठवीं कक्षा तक एनसीईआरटी या एससईआरटी की किताबे और क्लास 9 से 12 तक सीबीएसई की किताबें लागू की जानी चाहिए। इस अवसर पर गाजियाबाद पेरेंट्स ऐसोसेशन के प्रवक्ता विवेक त्यागी , विनय कक्कड़, डॉ राजीव, सुमित त्यागी, अशोक गहलोत ने भी अपने विचार रखे।

एक माह से नहीं बन रही नए वाहनों की आरसी आरटीओ विभाग का कारनामा

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

जनपद के आरटीओ विभाग में भष्टाचार का गढ़ माना जाता है माना भी कयो न जाना जाए यहां दलालों का बोलबाला है विभाग में दलालों का काम सबसे पहले होता है और आमजन का घंटों में भी नहीं होता है लोगों को बाबू टरकाने का कार्य करते रहते हैं। यही नहीं अब तो कार,दूपहिया वाहन शोरूम वालों का काम भी नहीं हो रहा है। ताजा उदाहरण हैं कि पिछले एक माह से आरटीओ विभाग मे नए वाहनों की आरसी नहीं बन रही है वाहन स्वामी कार शोरूम में चक्कर लगा रहे हैं वहां तैनात कर्मचारी अभी एक और माह बाद मे आरसी बनने की बात कह कर उन्हें टरका रहे है।जानकारी के अनुसार एक वाहन स्वामी ने 28 अक्टूबर 2024 को एमआर हुंडई लोनी रोड पसोंडा से नई गाड़ी नंबर 5988 खरीदी उसका 2 नवंबर 2024 को आरटीओ टैक्स भी कट गया आज पूरा एक महीना बीत गया लेकिन गाड़ी की आरसी नहीं बनी।जब इस संबंध मे शोरूम पर पता किया तो वहां तैनात कर्मचारियों ने बताया कि अभी एक माह और लगेगा आरटीओ विभाग में हजारों फाइलें पड़ी हैं जब नंबर आएगा तभी तो बनेगी। आरटीओ विभाग से पूछा गया तो पता चला कि शोरूम कर्मचारियों ने फाइल नहीं भेजी है।लेकिन शोरूम वाले कह रहे हैं फाइल विभाग में है तो आरसी कयो नहीं बनी आखिर फाइल गई तो कहा गई. इस तरह दर्जनों दूपहिया ,फोर वहीलर वाहनों की आरसी लंबित पडी हुई हैं आखिर आरसी कयो नहीं बनाई जा रही हैं जबकि शोरूम मालिकों द्वारा एक मुश्त हर माह सुविधा शुल्क पहुचाया जाता है उसके बावजूद उनके कार्य समय से नहीं किए जा रहे हैं।

महानगर के सभी मंडलों में संगठन पर्व 2024 कार्यशाला संपन्न

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

महानगर में सभी मंडलों में कार्यशालक आयोजन महानगर चुनाव अधिकारी पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं प्रयागराज के विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह के नेतृत्व में तथा महानगर सह चुनाव अधिकारी सुशील गौतम , गोपाल अग्रवाल एवं महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी की देख रेख में भाजपा संगठन पर्व 2024 के बैनर तले संपन्न हुई। विषय विस्तार के उद्देश्य से मंडलों में मण्डल चुनाव अधिकारीयों ने अपनी प्रमुख उपस्थिति और चुनाव संबंधी चर्चा वार्ता के साथ कार्यशाला सम्पन्न कराई। कार्यशाला के दौरान सभी

सभी मंडलों में चुनाव अधिकारी बनाकर भेजे गए पदाधिकारियों में मुरादनगर देहात मंडल के लिए चमन चौहान, मुरादनगर शहर अनुज कश्यप, कविनगर सरदार एस पी सिंह, गोविन्दपुरम रनिता सिंह, राजनगर मोनिका पण्डित, भौपरा धीरज शर्मा, विरेश्वर त्यागी, शालीमार गार्डन विरेश्वर त्यागी, लाजपतनगर मनोज यादव, ब्रज विहार आशु वर्मा, वशुन्धरा पृथ्वी सिंह कसाना, इन्द्रिपुरम बलदेव राज शर्मा, खोड़ा सचिन डैढा, खोड़ा मकनपुर संजय कांत शर्मा, अर्थला मोहनगर राजेश शर्मा, नन्दग्राम राजीव त्यागी, क्रासिंग अनिता शर्मा, प्रताप विहार संदीप त्यागी, विजयनगर पप्पू पहलवान, शहर सुनील यादव, गांधीनगर मंडल में सुरेन्द्र नागर भेजे गए । जिनके द्वारा आज सभी मंडलों में कार्यशाला को संपन्न कर लिया गया। मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने बताया कार्यशाला के दौरान सभी शक्ति केंद्र पर भी चुनाव अधिकारी बनाए गए है । जिनके द्वारा गठित बूथ समितियां के पर ही चुनाव प्रक्रिया पुरी की जाएगी।

पी0एम0 सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः विद्युत विभाग ने दिया मीटर रीडर्स को नेट मीटर का प्रशिक्षण

संस्कार उजाला

गाजियाबाद मुख्य अभियन्ता (वितरण)-प्रथम, महोदय की अध्यक्षता में मुख्य अभियन्ता सभागार, आर.डी.सी., राजनगर, गाजियाबाद में ह्यह्यपी0एम0 सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाह्यह्य के अन्तर्गत जनपद गाजियाबाद में विद्युत विभाग द्वारा नेट मीटर के सम्बन्ध में मीटर रीडर्स के प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में विद्युत विभाग द्वारा सभी मीटर रीडर्स को बताया गया है कि कैसे सोलर से उत्पादित बिजली का समायोजन नेट मीटर से किया जाये, जिससे की लाभाथीयों का सोलर विद्युत बिल का लाभ मिल सके। इस बैठक में मुख्य अभियन्ता (वितरण)-प्रथम, विद्युत विभाग, अधिशासी अभियंता, विद्युत विभाग, सहायक अभियंता, विद्युत विभाग, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा, गाजियाबाद, श्री उमेश अग्रवाल, दिव्य सोलर पावर, आदि उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद स्मार्ट सिटी द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

जांच परामर्श शिविर का आयोजन एस.जी. इंप्रेशन, राजनगर एक्सटेंशन केडीपी के सामने गाजियाबाद में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 175 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण, दांतों की जांच, ई.सी.जी., ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, बोन मिनरल डेन्सिटी (बी.एम.डी.), पी.एफ.टी. एवं जनरल फिजिशियन चेकअप किया गया। 25 महिलाओं का मेमोग्राफी परीक्षण किया गया । इस स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम में डा० गौरव सक्सेना, डा० ममता सक्सेना, डा0 नीरज, डा० राम एवं उनकी टीम के सदस्यों नीतू, यश,

मनीषा, अनुज, सम्बुल आदि नें सहयोग किया। रोटरी क्लब गाजियाबाद स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष रो० दीपक अग्रवाल एवं सचिव रो० भारती गर्ग द्वारा सभी डाक्टर्स एवं उनकी टीम को हार्दिक धन्यवाद देते हुए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गाजियाबाद स्मार्ट सिटी क्लब के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम को सफल बनाया । इन सभी को सहयोग एवं प्रतिभाग से ही यह निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ ।

अखिल भारतीय निमार्ता संघ (एआईएमओ), उत्तर प्रदेश के मेरठ रोड स्थित कार्यालय में चेयरमैन के चुनावों में उपस्थित सदस्यों द्वारा उद्यमी उपेंद्र गोयल को निर्विरोध अध्यक्ष एवं संगठन के वरिष्ठतम सदस्यों में से एक आर के अग्रवाल (देवीदयाल ग्रुप) को निर्विरोध संरक्षक चुना गया।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

वरिष्ठतम सदस्यों में से एक आर के अग्रवाल (देवीदयाल ग्रुप) को निर्विरोध संरक्षक चुना गया*। चुने जाने के घोषणा के पश्चात नए चेयरमैन उपेंद्र गोयल ने सभी सदस्यों का धन्यवाद दिया एवं वरिष्ठ सदस्यों से मार्गदर्शन करते रहने की प्रार्थना की। उन्होंने सभी सदस्यों को संगठन को पुनः एक नई ऊर्जा के साथ मजबूती

से गतिमान करने के प्रयत्न करने का विश्वास दिलाया। ज्ञातव्य है कि अखिल भारतीय निमार्ता संघ एआईएमओ (उत्तर प्रदेश) नगर का सबसे पुराना औद्योगिक संगठन है। सर्वश्री एनके मोदी (मोदी ग्रुप), नरेश बजाज (अमृत वनस्पति), केके मोदी (मोदी ग्रुप), आरके अग्रवाल (देवीदयाल ग्रुप), मनमोहन गोयल (पसोंडीया केबल्स), संजय भाटिया (हिंदुस्तान टिन) जैसे प्रमुख उद्योगपति इस संगठन के पूर्व में अध्यक्ष रह चुके हैं।

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद स्मार्ट सिटी द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

जांच परामर्श शिविर का आयोजन एस.जी. इंप्रेशन, राजनगर एक्सटेंशन केडीपी के सामने गाजियाबाद में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 175 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण, दांतों की जांच, ई.सी.जी., ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, बोन मिनरल डेन्सिटी (बी.एम.डी.), पी.एफ.टी. एवं जनरल फिजिशियन चेकअप किया गया। 25 महिलाओं का मेमोग्राफी परीक्षण किया गया । इस स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम में डा० गौरव सक्सेना, डा० ममता सक्सेना, डा0 नीरज, डा० राम एवं उनकी टीम के सदस्यों नीतू, यश, मनीषा, अनुज, सम्बुल आदि नें सहयोग किया। रोटरी क्लब गाजियाबाद स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष रो० दीपक अग्रवाल एवं सचिव रो० भारती गर्ग द्वारा सभी डाक्टर्स एवं उनकी टीम को हार्दिक धन्यवाद देते हुए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया । गाजियाबाद स्मार्ट सिटी क्लब के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम को सफल बनाया । इन सभी को सहयोग एवं प्रतिभाग से ही यह निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011